शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 117 | गुवाहाटी | मंगलवार, 26 नवंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हुड़दंगबाजी से संसद को नियंत्रित करने की कोशिश करने वालों को जनता ... पेज 2
अरुणाचल प्रदेश : लोहित नदी में बह गए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी पेज 3
कांग्रेस गिरगिट के समान, लोकसभा चुनाव में झूठ फैलाया : नायब सैनी पेज 5
पार्थ टेस्ट में भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत, ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हराया पेज 7

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

शासक को स्वयं योगय बनकर योगय प्रशासकों की सहायता से शासन करना चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

लोहित नदी में बह गए पूसी रेल के वरिष्ठ अधिकारी

इटानगर। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के एक वरिष्ठ अधिकारी अरुणाचल प्रदेश में परशुराम कुंड के पास लोहित नदी की तेज धारा में बह गए। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि एनएफआर के प्रधान मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुवेन्दु चौधरी रविवार दोपहर को नदी की तेज धारा में -शेष पृष्ठ दो पर

संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली (हि.स.)। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही आज शीतकालीन सत्र के पहले दिन विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गई। दोनों सदनों की कार्यवाही बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई है। अडानी रिश्वत और मणिपुर मुद्दे पर चर्चा की मांग उठा रहे विपक्ष ने सरकार को इस मुद्दे पर घेरने की कोशिश की। हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही को पहले 12 बजे और बाद में दिनभर तक -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार ने 700 लीडर स्कूलों के लिए दूरदर्शी योजना का अनावरण किया

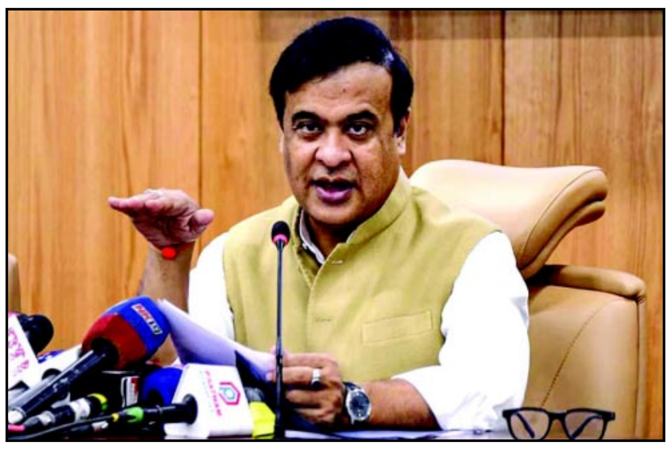

गुवाहाटी। शिक्षा क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए, असम सरकार ने राज्य भर में 700 अत्याधुनिक लीडर स्कूल स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। इन संस्थानों का उद्देश्य अपने-अपने क्षेत्रों में शैक्षिक उत्कृष्टता के केंद्र और समग्र विकास के उत्प्रेरक के रूप में कार्य करना है। इस पहल का उद्देश्य शिक्षा में क्रांति लाना है और परिवर्तनकारी शिक्षण वातावरण बनाने के लिए आधुनिक बुनियादी ढांचे, अत्याधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करना है। विश्व स्तरीय सुविधाओं से लैस, लीडर स्कूल शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रेरित करने, कौशल निर्माण को बढ़ावा देने और किशोरों की समग्र भलाई सुनिश्चित करते हुए करियर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए जाएंगे।

योजना में छह प्रमुख स्तंभों पर जोर दिया गया है :

आधुनिक बुनियादी ढांचे का विकास : अनुकूल शिक्षण वातावरण बनाने के लिए उच्च तकनीक वाली कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और खेल सुविधाएं।

पारदर्शी शासन : निर्बाध संचालन और निगरानी सुनिश्चित करने के लिए कुशल और जवाबदेह प्रबंधन प्रणाली।

शैक्षिक उत्कृष्टता: पाठ्यक्रम में सुधार, आलोचनात्मक सोच पर ध्यान, तथा नवीन शिक्षण पद्धतियां।

कौशल एवं क्षमता निर्माण : छात्रों को व्यावहारिक कौशल से लैस करने और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए तैयार किए गए कार्यक्रम।

कैरियर मार्गदर्शन और आकांक्षात्मक सहायता : छात्रों को कैरियर पथ पर आगे बढ़ने और उनकी आकांक्षाओं को प्राप्त करने में सहायता करने के लिए समर्पित संसाधन।

समग्र किशोर कल्याण : समग्र किशोर कल्याण के लिए मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करना।

इस परिवर्तनकारी पहल को आगे बढ़ाने के लिए, राज्य प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा (ईसीई) और किशोरों के लिए एक राज्य संसाधन केंद्र स्थापित करेगा, जो रणनीतिक दिशा प्रदान करेगा और शैक्षिक परिणामों में मापनीय सुधार सुनिश्चित करेगा। लीडर स्कूल शिक्षक प्रशिक्षण और सामुदायिक -शेष पृष्ठ दो पर

संविधान की प्रस्तावना से नहीं हटेंगे *समाजवादी* और *पंथ निरपेक्ष*, एससी ने खारिज की याचिकाएं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना से समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता शब्दों को हटाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। याचिका पूर्व राज्यसभा सदस्य सुब्रमण्यम स्वामी, वकील अश्विनी उपाध्याय और बलराम सिंह ने दायर की थी। प्रस्तावना में समाजवाद को शामिल करने की शुरुआत 1976 में प्रधानमंत्री के रूप में इंदिरा गांधी के कार्यकाल के दौरान 42वें संवैधानिक संशोधन के माध्यम से की गई थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार की सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने दोहराया है कि संसद के पास इसकी प्रस्तावना सहित संविधान में संशोधन करने का अधिकार है। बेंच ने समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता की व्याख्या को संबोधित करते हुए, भारतीय संदर्भ में उनकी प्रासंगिकता पर जोर दिया। इसमें यह भी कहा गया कि इन सिद्धांतों से संबंधित नीतियां बनाना सरकार का विशेषाधिकार है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता संविधान की मूल संरचना का अभिन्न अंग हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि हालांकि इन शब्दों की अलग-अलग तरीकों से व्याख्या की जा सकती है, लेकिन इन्हें पश्चिमी व्याख्याओं के बजाय भारतीय संदर्भ -शेष पृष्ठ दो पर

एचएसएलसी बोर्ड परीक्षा 15 फरवरी से

गुवाहाटी। असम राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड ने 25 नवंबर को आगामी बोर्ड परीक्षा 2025 के लिए कक्षा 10 या एचएसएलसी डेट शीट जारी कर दी है। शेड्यूल के मुताबिक, असम बोर्ड एचएसएलसी परीक्षा 2024 15 फरवरी, 2025 से शुरू होगी। छात्र आधिकारिक वेबसाइट sebaonline.org से असम बोर्ड एचएसएलसी डेट शीट 2025 डाउनलोड कर सकते हैं। कक्षा 10 की परीक्षाएं अंग्रेजी के पेपर से शुरू होंगी। ये परीक्षाएं दो शिफ्ट में आयोजित की जाएंगी : सुबह की शिफ्ट सुबह -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में अफस्पा कानून का विरोध शुरू

इंफाल। मणिपुर के कई इलाकों में केंद्र सरकार द्वारा फिर से अफस्पा कानून लागू करने का विरोध शुरू हो गया है। सोमवार को इस फैसले के विरोध में हजारों की तादाद में महिलाओं ने विरोध मार्च निकाला। महिलाएं विरोध मार्च निकालते हुए इंफाल स्थित सचिवालय जाना चाहती थीं, लेकिन सुरक्षाबलों ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया। गौरतलब है कि बीते दिनों जिरीबाम में हुई हिंसा के बाद मणिपुर के कई इलाकों में फिर से अफस्पा कानून लागू कर दिया गया है। सोमवार को मणिपुर में मानवाधिकारों और सामाजिक न्याय के लिए काम करने वाले महिलाओं के संगठन मीरा पाइबिस ने रैली का आयोजन किया। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने हाथों में प्लेकार्ड और बैनर पकड़े हुए थे और वे राज्य से अफस्पा कानून को हटाने की मांग कर रहीं थीं। महिलाओं की रैली इंफाल के कोंगबा बाजार इलाके से शुरू हुई, लेकिन तीन किलोमीटर बाद ही रैली को सुरक्षा बलों ने रोक दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारी -शेष पृष्ठ दो पर

संभल मामले में भाजपा दोषी एससी करे हस्तक्षेप : राहुल गांधी

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उप्र के संभल में मस्जिद में सर्वे कराए जाने के प्रशासनिक आदेश के बाद हुई हिंसा को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है और सुप्रीम कोर्ट से मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। कांग्रेस नेता ने इसके लिए सीधे तौर पर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। राहुल ने कहा है कि संभल में प्रशासन की असंवेदनशीलता से माहौल बिगड़ा है। राहुल ने कहा कि संभल में हालिया विवाद पर राज्य सरकार का पक्षपात और जल्दबाजी भरा रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हिंसा और फायरिंग में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। प्रशासन द्वारा बिना सभी पक्षों को सुने और -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र में हार के बाद इंडिया ब्लॉक में रार ममता को गठबंधन का नेता बनाने की मांग

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक की हार के बाद अब तकरार सामने आने लगी है। तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेता बनाने की मांग की है। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने महाराष्ट्र में कांग्रेस की चुनावी हार की आलोचना की। उन्होंने कांग्रेस से कहा कि वह अपना अहंकार का त्याग करे और ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन के रूप में स्वीकार करे। बता दें कि पश्चिम बंगाल में छह विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुए थे। टीएमसी ने सभी छह विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की है। इनमें से पांच सीट टीएमसी के पास पहले से थी और इस चुनाव में भाजपा के अधीन वाली मदारीहाट को भी जीत ली है। तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी ने जोर देकर कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती देने के लिए गठबंधन को एकजुट और निर्णायक नेता की जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि ममता बनर्जी ने अपना नेतृत्व सदा ही साबित किया है और वह लंबे -शेष पृष्ठ दो पर

जामा मस्जिद मामला

20 से अधिक हिरासत में, सपा सांसद पर एफआईआर, संभल में अलर्ट

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में हिंसा भड़काने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए संभल लोकसभा के सांसद जिआउर्रहमान बर्क, सदर विधायक इकबाल महमूद के बेटे सोहेल इकबाल और अन्य पांच लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। सभी पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, अधिकारियों के द्वारा रिपोर्ट की पुष्टि अभी नहीं की गई है, लेकिन कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर इस मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, -शेष पृष्ठ दो पर

तेलंगाना सरकार ने अदाणी समूह से दान लेने से किया इनकार

सीएम रेवंत बोले- विवाद में नहीं पड़ना चाहता

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने सोमवार को यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी को अडानी समूह की ओर से दिए जा रहे 100 करोड़ रुपए का दान लेने से मना कर दिया। राज्य की कांग्रेस सरकार ने हाल के विवादों और राज्य की प्रतिष्ठा को बनाए रखने की आवश्यकता का हवाला देते हुए यह फैसला किया है। खबरों के अनुसार, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इस निर्णय की घोषणा करते हुए कहा कि कई कंपनियों ने यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी को धन दिया है। इसी तरह अडानी समूह ने भी 100 करोड़ रुपए दिए हैं। कल हमने सरकार की -शेष पृष्ठ दो पर

माता वैष्णो देवी में दुकानदारों और खच्चर मालिकों का उग्र प्रदर्शन, पुलिस पर पथराव

कटरा। जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर तक प्रस्तावित रोपवे प्रोजेक्ट को लेकर विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। स्थानीय निवासियों और श्रमिकों के प्रदर्शन का सोमवार को चौथा दिन था, जिसमें लगभग 2,000 लोगों ने भाग लिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई, जिसमें पथराव से कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। 22 नवंबर से जारी यह विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से दुकानदारों, खच्चर मालिकों और पालकी चलाने वालों द्वारा किया जा रहा है। प्रदर्शनकारी इस 250 करोड़ रुपए की परियोजना का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र में सीएम की कुर्सी के लिए ढाई-ढाई साल का फॉर्मूला

मुंबई। भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने की रेस में सबसे आगे हैं। अगर ऐसा होता है तो वह तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। वहीं, एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक सूत्र ने पुष्टि की कि भाजपा और शिवसेना के बीच सत्ता-बंटवारे के फॉर्मूले को अंतिम रूप दे दिया गया है। फडणवीस पहले ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री के रूप में काम करेंगे, जिसके बाद एकनाथ शिंदे शेष कार्यकाल के लिए यह भूमिका निभाएंगे। एक बार जब फडणवीस मुख्यमंत्री पद छोड़ देंगे, तो उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की उम्मीद है। रिपोर्ट बताती है कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, पीएम मोदी और बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व के बीच चर्चा के बाद इस व्यवस्था पर सहमति बनी है। कहा जाता है कि फडणवीस -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन शुरू

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश में प्रमुख हिन्दू नेता और इस्कॉन के भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन शुरू हो गया है। लोग हजारों की संख्या में सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन करने पर इस्कॉन के चिन्मय कृष्ण दास प्रभु पर कार्रवाई की गई है। चिन्मय कृष्ण दास प्रभु को ढाका एयरपोर्ट पर पुलिस ने हिरासत में लिया है। वह सोमवार को ढाका से चटगांव जाने के लिए हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे थे। उनसे पूछताछ की -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली के हर बुजुर्ग को मिलेगी ऑन डिमांड पेंशन : भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा ने विधानसभा चुनाव के पहले ऐसी बड़ी घोषणा की है जो यदि अमल में लाई गई तो देश की राजनीतिक-सामाजिक व्यवस्था में एक बड़ी नजीर बन सकती है। पार्टी ने घोषणा की है कि यदि 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में वह सत्ता में आती है तो राजधानी के सभी बुजुर्गों को ऑन डिमांड पेंशन दी जाएगी। किसी बुजुर्ग को वृद्धावस्था पेंशन पाने के लिए केवल अपनी उम्र और निवास का प्रमाण पत्र संबंधित विभाग के कार्यालय में दिखाना होगा, इसके बाद उसकी पेंशन शुरू कर दी जाएगी। इसके लिए किसी औपचारिकता की आवश्यकता नहीं रह जाएगी। बुजुर्गों को वृद्धावस्था के कारण कई बीमारियां हो जाती हैं। उन्हें अपने इलाज पर भारी खर्च करना पड़ता है। यदि यह खर्च परिवार का मुखिया करता है तो कई बार आर्थिक परेशानियों के कारण परिवार में अप्रिय स्थिति बन जाती है। लेकिन यदि सभी बुजुर्गों को अनिवार्य रूप से पेंशन मिलने लगी तो इससे परिवारों पर बुजुर्गों की दवा के खर्च का भार नहीं पड़ेगा। इससे बुजुर्ग अपने लिए अन्य आवश्यक चीजें भी खरीद सकेंगे। इससे परिवारों पर बुजुर्गों का बोझ नहीं पड़ेगा और परिवार में उनका -शेष पृष्ठ दो पर

दुनियाभर में वाट्सएप ठप्प... फोन में ओपन नहीं हो रहा अकाउंट

नई दिल्ली। मैसेजिंग प्लेटफॉर्म वाट्सएप को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। सोशल मैसेजिंग एप वाट्सएप डाउन हो गया जिसके चलते कई उपयोगकर्ताओं ने मेटा के वाट्सएप वेब वर्जन को एक्सेस करने में समस्याओं की शिकायत की है। आउटेज का प्रभाव व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों प्रकार के अकाउंट्स पर देखने को मिला है। कुछ यूजर्स वाट्सएप वेब से कनेक्ट नहीं कर पा रहे हैं, जबकि अन्य को मैसेज भेजने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या के बाद, कई यूजर्स ने सोशल मीडिया पर अपनी शिकायतें दर्ज की हैं। हालांकि, वाट्सएप की पैरेंट कंपनी, मेटा, ने अब तक इस आउटेज पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph.: 94350-48866, 94018-06952**

हुड़दंगबाजी से संसद को नियंत्रित करने की कोशिश करने वालों को जनता ने नकारा : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि संसद का शीतकालीन सत्र बहुत उत्पादक होगा और उम्मीद जताई कि इससे भारत की वैश्विक स्थिति को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के बाहर शीतकालीन सत्र से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि संसद के समय का उपयोग और सदन में हमारा व्यवहार ऐसा होना चाहिए जिससे वैश्विक स्तर पर भारत को जो सम्मान मिला है, वह और मजबूत हो। विपक्ष पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 80-90 बार जनता ने जिनको लगातार नकार दिया है, वे ना संसद में चर्चा होने देते हैं, ना लोकतंत्र की भावना का सम्मान करते हैं, ना ही वो लोगों की आकांक्षाओं का कोई महत्व समझते हैं। परिणाम स्वरूप जनता को बार-बार उनको रिजेक्ट करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की शर्त है कि हम जनता की भावनाओं का सम्मान करें और उनकी आशाओं और अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए दिन-रात मेहनत करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह बार-बार खासकर विपक्ष के साथियों से आग्रह करते रहे हैं और कुछ विपक्षी बहुत जिम्मेदारी से व्यवहार करते भी हैं। उनकी भी इच्छा रहती है कि सदन में सुचारू रूप से काम हो लेकिन लगातार जिनको जनता ने नकार दिया है, वे अपने साथियों की बात को भी दबा देते थे, उनकी भावनाओं का भी अनादर करते थे, लोकतंत्र की भावनाओं का अनादर करते थे। इस सत्र के महत्व के बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2024 का ये अंतिम कालखंड चल रहा है और देश पूरे उमंग और उत्साह के साथ 2025 के स्वागत की तैयारी में भी लगा हुआ है। संसद का यह सत्र कई मायनों में विशेष है और सबसे महत्वपूर्ण बात संविधान के 75वें वर्ष में प्रवेश है। उन्होंने कहा कि कल (26 नवंबर) संविधान सदन में सब मिलकर इस संविधान के 75वें वर्ष की, उसके उत्सव की शुरुआत करेंगे।

सभ्य समाज में जेंडर आधारित हिंसा का कोई स्थान नहीं : अन्नपूर्णा देवी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकासमंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि सभ्य समाज में जेंडर आधारित हिंसा का कोई स्थान नहीं है। सुरक्षित महिलाएं ही एक उन्नत समाज और विकसित भारत का निर्माण करती हैं। सोमवार को आकाशवाणी के रंग भवन में *महिलाओं के खिलाफ हिंसा उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस* के अवसर पर राष्ट्रीय जागरुकता अभियान *नई चेतना 3.0* की शुरुआत करते हुए अन्नपूर्णा देवी ने महिलाओं का आह्वान किया कि वे हिंसा के खिलाफ खड़ी हों, चुप्पी तोड़ें और आवाज उठाएं। इस मौके पर उन्होंने प्रतिज्ञा ली कि हम जेंडर आधारित हिंसा से मुक्त भारत के निर्माण के लिए कदम उठाएंगे। अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य जनता, सरकार और प्रमुख हितधारकों से लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने के लिए कार्रवाई योग्य कदम उठाने का आह्वान करना है। यह अभियान ग्रामीण विकास मंत्रालय के नेतृत्व में *नई चेतना 3.0 अभियान* के साथ शुरू किया गया है, ताकि लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने के लिए कार्रवाई के आह्वान को व्यापक रूप से फैलाया जा सके, ताकि कोई भी पीछे न छूटे। वैश्विक स्तर पर हर साल 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक यानी महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस से मानवाधिकार दिवस तक लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए 16 दिनों का सक्रियता अभियान मनाया जाता है। इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र का वैश्विक अभियान #नो एक्सक्यूज पर महिलाओं के खिलाफ हिंसा में खतरनाक वृद्धि की ओर ध्यान आकर्षित करता है।

सीएम ने राज्यपाल से की मुलाकात

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज राजभवन में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने इस दौरान विकास के मुद्दों पर चर्चा की। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को राज्य के सभी वर्गों के लोगों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से भी अवगत कराया।

ट्रेन की ठोकर से जंगली हाथी की मौत

होजाई (हिंस)। लंका-हबाईपुर रेलवे स्टेशन के बीच होजाई में ट्रेन की ठोकर से एक जंगली हाथी की मौत हो गई। घटना हवाईपुर रेलवे स्टेशन के पास रेलवे लाइन नंबर 3 की है। आशंका जताई जा रही है कि गुवाहाटी से आ रही पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से हाथी की मौत हुई होगी। घटना के काफी समय बाद वन विभाग के लोग पहुंचे।

अक्तूबर के दौरान माल लोडिंग में पूसीरे ने दर्ज की उल्लेखनीय वृद्धि

गुवाहाटी (हिंस)। आवश्यक वस्तुओं को अंतिम उपयोगकर्ताओं तक समय पर पहुंचाने की सुनिश्चितता के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) अपने ग्राहकों की सेवा हेतु निरंतर चौबीसों घंटे कार्य कर रहा है। पूसी रेलवे माल लोडिंग में लगातार प्रगति दर्ज कर रहा है और अक्तूबर में रेलवे ने विभिन्न वस्तुओं में 0.782 मिलियन टन माल लोडिंग दर्ज किया है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने सोमवार को बताया कि अक्तूबर के दौरान कुछ वस्तुओं की लोडिंग में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस महीने के दौरान पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में सीमेंट लोडिंग में 118.8 प्रतिशत और डोलोमाइट लोडिंग में 30.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अन्य वस्तुओं जैसे बलास्ट लोडिंग में 21.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। विविध वस्तुओं के लोडिंग में भी वृद्धि दर्ज की गई है, जो इस अवधि के दौरान पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। माल लोडिंग में निरंतर वृद्धि इस क्षेत्र में बढ़ती आर्थिक गतिविधियों को दर्शाती है। अक्तूबर तक पूसी रेलवे का संचयी माल लोडिंग 6.150 मिलियन टन तक पहुंच चुका है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। माल परिवहन में इस बढ़ती प्रवृत्ति ने न केवल इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है, बल्कि पूसी रेलवे के लिए महत्वपूर्ण राजस्व का भी सृजन किया है।

ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

मानकाचर (हिंस)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित मानकाचर में फकीरगंज पुलिस की छापेमारी में 67 ग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त की गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि पुलिस एक तस्कर को भी पकड़ने में कामयाब रही। पुख्ता सूचना के आधार पर फकीरगंज पुलिस ने यह छापामारी की। तस्कर की पहचान नस्कारा गांव के हबीबुर इस्लाम (28) के रूप में हुई है।

धुबड़ी में यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी के हालाकुरा में एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पुलिस ने आज बताया कि बस हालाकुरा में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 17 के सड़क किनारे पलट गई। पूनम नामक बस (एएस- 15एसी- 4995) बरपेटा से कूचबिहार जा रही थी।

No.TECH/U&BDTD/BIDG/IFB/2024-25/3292 *Date 22/11/2024*

PRESS NOTICE

The Executive Engineer, PWD (B&NH) Udalguri & Baksa District Territorial Building Division, Udalguri, Assam, on behalf of the Governor of Assam re invites bids from approved and eligible contractors registered with Public Works Department (Buildings), Assam/Contractors registered with Bodoland Territorial Council in the category of Class-I (A, B & C) & Class-II, for having experience in similar nature of work, for the following work.

Details of the bid may be seen at e-procurement website *i.e.www.assamtenders.gov.in. The* bidders must be enrolled in *www.assamtenders.gov.in*

Sl. No.	Name of Work	Approx. value (in lakh)	Tender Doc. fees	Bid security	Time of completion
1	Construction of One Stop Centre at Tamulpur, for the year 2024-25	Rs. 59.40L	Rs. 1200.00	2% for General category, and 1% Reserved category	12 (Twelve) month

- The Executive Engineer, PWD (B&NH), Udalguri & Baksa District, Territorial Building Division, Assam, reserves the right to accept or reject any or all proposals without showing any reasons what so ever.
- Value of work may vary according to final BOQ which may be seen in the detail NIT.

Details may be seen at in the office of the undersigned during office hours and PWD portal assamtenders.gov.in

Sd/- Exccutive Engineer, P.W.D. (B&NH),
Udalguri and Baksa District
Territorial Building Division, Udalguri

IPR(BTC)/C/2024-25/932

पृष्ठ एक का शेष

राज्य सरकार ने 700...

भागीदारी पर भी जोर देंगे, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि शिक्षक अच्छी तरह से सुसज्जित और प्रेरित हों, साथ ही शैक्षिक सुधारों के स्थानीय स्वामित्व को बढ़ावा दिया जा सके। यह पहल समान अवसर पैदा करने और युवाओं को वैश्वीकृत दुनिया में कामयाब होने के लिए तैयार करने की राज्य की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। शैक्षिक उत्कृष्टता के मानक स्थापित करके, असम सरकार का लक्ष्य है कि लीडर स्कूल प्रगति के केंद्र बनें तथा छात्रों और समुदायों के लिए उज्जवल भविष्य में योगदान दें।

संविधान की प्रस्तावना...

में समझा जाना चाहिए। सीजेआई ने कहा कि याचिकाओं पर विस्तृत सुनवाई की जरूरत नहीं है। सीजेआई ने कहा कि दो अभिव्यक्तियां *समाजवादी* और *धर्मनिरपेक्ष* 1976 में संशोधनों के माध्यम से बनाई गई थीं और तथ्य यह है कि संविधान को 1949 में अपनाया गया था, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यदि स्वीकार किया जाता है तो पूर्वव्यापी तर्क सभी संशोधनों पर लागू होंगे। 1976 में इंदिरा गांधी सरकार द्वारा पेश किए गए 42वें संवैधानिक संशोधन के तहत संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द शामिल किए गए थे। इस संशोधन ने प्रस्तावना में भारत के विवरण को संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्यसे बदलकर कर दिया। स्वामी ने अपनी याचिका में दलील दी है कि प्रस्तावना को बदला, संशोधित या निरस्त नहीं किया जा सकता है।

एचएसएलसी बोर्ड ...

9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर की शिफ्ट दोपहर 1:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक। विद्यार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए प्रत्येक पारी शुरू होने से पहले, सुबह 8:55 से 9 बजे तक तथा दोपहर 1:25 से 1:30 बजे तक अतिरिक्त 5 मिनट का समय दिया जाएगा।

मणिपुर में अफस्पा ...

वापस कोंगबा बाजार पहुंचे और वहां एक सभा का आयोजन किया। संगठन की कार्यकर्ता बबीना माइबम ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मूल निवासियों के खिलाफ हो रहे शोषण के खिलाफ हम प्रदर्शन कर रहे हैं। हम अन्यायपूर्ण और निर्दयी अफस्पा कानून को फिर से राज्य में लागू नहीं होने दे सकते। फर्जी मुठभेड़ के कई मामले अभी भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। अब राज्य के छह पुलिस थानों में फिर से अफस्पा कानून लागू करके केंद्र सरकार राज्य के लोगों की परेशानी को सिर्फ बढ़ाना चाहती है। अफस्पा कानून के तहत सुरक्षा बलों को अतिरिक्त अधिकार मिल जाते हैं, जिनमें कहीं भी तलाशी लेने, गिरफ्तार करने और जरूरत पड़ने पर फायरिंग करने जैसे अधिकार शामिल हैं। केंद्र सरकार ने बीते दिनों जिरीबाम जिले में हिंसा के बाद जिरीबाम समेत इंफाल पश्चिम के सेकमई और लामसांग, इंफाल पूर्व के लामलाई, कांगपोकपी जिले के लेईमाकहोंग और बिष्णुपुर जिले के मोइरंग पुलिस थानों में अफस्पा कानून फिर से लागू कर दिया है।

संभल मामले में ...

असंवेदनशीलता से की गई कार्रवाई ने माहौल और बिगाड़ दिया और यह कई लोगों की मृत्यु का कारण बना। इसकी सीधी जिम्मेदार भाजपा सरकार है। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता हिंदू-मुसलमान के बीच दरार और भेदभाव पैदा कर रही है। यह उत्तर प्रदेश और देश के हित में नहीं है। उन्होंने लोगों से शांति और आपसी सौहार्द्र बनाए रखने की अपील की। राहुल गांधी ने कहा कि हम सबको एक साथ जुड़ कर यह सुनिश्चित करना है कि भारत सांप्रदायिकता और नफरत नहीं, एकता और संविधान के रास्ते पर आगे बढ़े।

महाराष्ट्र में हार ...

समय से जमीन से जुड़ी हुई हैं। हुगली जिले के श्रीरामपुर जिले में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कल्याण बनर्जी ने कहा कि हाल के चुनाव में हुई विफलता को कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों को स्वीकार करना चाहिए और उन्हें अपना अहंकार त्यागकर इंडिया ब्लॉक के नेता के रूप में ममता बनर्जी को स्वीकार करना चाहिए। बता दें कि शनिवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के रिजल्ट में फिर से महायुति की सत्ता में वापसी हुई और महाविकास अघाड़ी को करारी हार मिली है, जबकि झारखंड में इंडिया गठबंधन के नेतृत्व में हेमंत सोरेन ने फिर से सत्ता में वापसी की है। हालांकि कांग्रेस ने दो लोकसभा उपचुनाव में जीत हासिल की है, लेकिन महाराष्ट्र की हार के बाद अब टीएमसी नेता ने कांग्रेस के नेतृत्व पर ही सवाल उठा दिया है। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने दावा किया कि ममता बनर्जी का भाजपा के खिलाफ लड़ने का रिकॉर्ड रहा है। भारत की राजनीति में उनकी पहचान एक लड़ाकू नेता के रूप में रही है। जनता से जुड़ने की उनकी क्षमता और उनका नेतृत्व उन्हें इंडिया गठबंधन का एक आदर्श नेता बनाती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने महाराष्ट्र में अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया है। झारखंड में कांग्रेस सत्तारूढ़ झामुमो की जूनियर पार्टनर बन गई है। इंडिया ब्लॉक में उसकी भूमिका काफी कम हो गई है और जूनियर पार्टनर बन गई है। दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी लगातार जीत हासिल कर रही है और पार्टी लगातार बंगाल में मजबूत हो रही है। हालांकि आरजी कर में लेडी डॉक्टर की हत्या के मामले में तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ अभियान चलाया गया था। टीएमसी के खिलाफ जनमत बनाने की कोशिश की गई थी, लेकिन राज्य की जनता पूरी तरह से टीएमसी के साथ है और विधानसभा उपचुनाव में टीएमसी की जीत ने ममता बनर्जी के नेतृत्व को फिर से साबित कर दिया है। इस उपचुनाव में भाजपा, कांग्रेस और लेफ्ट पार्टी को गहरा झटका लगा है।

20 से अधिक हिरासत ...

संभल में हुए बवाल के बाद पुलिस ने जामा मस्जिद के सदर जफर अली समेत 20 से अधिक लोगों को हिरासत लिया है और 400 अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। जिले में हुए बवाल के बाद पूरी रात पुलिस पैदल गश्त करती रही। उच्चाधिकारियों ने गश्त का नेतृत्व किया। जहां-जहां बवाल में आगजनी और पथराव हुआ था, वहां पर विशेष फोकस किया गया और भारी पुलिस बल को तैनात किया गया है। साथ ही लगातार संदिग्ध लोगों पर भी नजर रखी जा रही है। उधर सोमवार सुबह भी बाजार बंद दिखाई दिए। साथ ही लोग अपने घरों से निकलने से परहेज कर रहे हैं। सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। सुबह में डीआईजी मुनिराज ने पुलिस बल के साथ सड़कों पर फ्लैग मार्च किया है। इसके अलावा डीएम के द्वारा घोषित किए गए अवकाश के बाद स्कूल कॉलेज के लिए बच्चे नहीं निकले। संभल में रविवार को अधिकारियों से चार लोगों की मृत्यु होने की पुष्टि की है। एक अन्य की मौत होने की बात भी कही जा रही है, लेकिन उसके स्वजन ने कानूनी कार्रवाई नहीं की है। पोस्टमार्टम भी नहीं हुआ है। 19 नवंबर को सिविल जज (सीनियर डिवीजन) कोर्ट में मस्जिद के हरिहर मंदिर होने का दावा किया गया था। कोर्ट ने उसी दिन सर्वे का आदेश दिया और वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश राघव को एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त किया था। 19 को ही मस्जिद में वीडियोग्राफी कराई गई थी। इसके बाद एडवोकेट कमिश्नर ने रविवार को दूसरे चरण की वीडियो ग्राफी कराई। इसी दौरान बवाल हो गया था।

तेलंगाना सरकार ने ...

ओर से अडानी को एक पत्र लिखा, जिसमें कहा गया कि राज्य सरकार अडानी समूह द्वारा दिए गए 100 करोड़ रुपए स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। मैं राज्य सरकार द्वारा अडानी समूह से 100 करोड़ रुपए स्वीकार न करने के निर्णय को दोहराना चाहता हूं। इस निर्णय के पीछे के तर्क को स्पष्ट करते हुए, सीएम रेड्डी ने कहा कि मैं किसी विवाद में नहीं पड़ना चाहता। मूल रूप से, मैंने इसके लिए एक भी पैसा नहीं लिया है। तेलंगाना राज्य सरकार ने यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी के माध्यम से युवाओं के लिए एक कदम उठाया है, क्योंकि आज लाखों युवा कौशल से रहित हैं और उन्हें रोजगार नहीं मिल रहा है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि उस उद्देश्य के लिए, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधि के तहत, हमें अडानी समूह से सैद्धांतिक रूप से 100 करोड़ रुपए की प्रतिबद्धता मिली। हालांकि, आज तक तेलंगाना सरकार के खाते में एक भी रुपया जमा नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब पड़ोसी राज्यों और देशों में भ्रष्टाचार के बारे में चर्चा हुई, तो मुझे यह पसंद नहीं आया कि तेलंगाना को इसमें घसीटा जा रहा है। हम ईमानदारी से सरकार चला रहे हैं और हम उस ईमानदारी को बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। सीएम रेवंत ने कहा कि तेलंगाना के बारे में कोई भी गलत धारणा या गलत बयान हमें स्वीकार्य नहीं है। तेलंगाना का बजट 3 लाख करोड़ रुपए का है और हमें सिर्फ 100 करोड़ रुपए के लिए आरोपों का सामना करने की जरूरत नहीं है। हमारे कैबिनेट मंत्रियों ने भी इस बारे में सोचा और फैसला किया कि विवादों से बचने के लिए हमारी राज्य सरकार यह कदम उठाएगी। इस फैसले को लेने के लिए किसी ने हम पर दबाव नहीं डाला और अगर कोई कोशिश करता है, तो हम सुनने वाले नहीं हैं। औद्योगिक संवर्धन के लिए सरकारी आयुक्त के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन ने सरकार की ओर से एक आधिकारिक बयान जारी किया। पत्र में लिखा है कि हम आपके फाउंडेशन की ओर से यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी को 100 करोड़ रुपए देने के लिए आपके आभारी हैं, जिसके लिए आपने 18.10.2024 को पत्र लिखा है। हालांकि, मुझे माननीय मुख्यमंत्री द्वारा वर्तमान परिस्थितियों और उत्पन्न विवादों के मद्देनजर धन हस्तांतरण की मांग न करने का निर्देश दिया गया है।

माता वैष्णो देवी में ...

उनका मानना है कि रोपवे बनने से उनकी आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। प्रदर्शनकारियों को शांत करने और हटाने के लिए पुलिस के साथ सीआरपीएफ की 6 बटालियन भी तैनात है। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की अपील को अनसुना करते हुए पत्थरबाजी शुरू कर दी, जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अनुसार, यह रोपवे परियोजना तीर्थयात्रियों को सुरक्षित और तेज यात्रा का विकल्प प्रदान करेगी। श्राइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग ने इसे *गेम चेंजर* बताते हुए कहा कि यह उन यात्रियों के लिए फायदेमंद होगा, जिनके लिए मंदिर की यात्रा शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण है। प्रशासन लगातार प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश कर रहा है। वहीं, इस विरोध में अब राजनीतिक नेता भी शामिल हो रहे हैं, जिनमें कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह भी सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। स्थिति पर नजर रखते हुए प्रशासन समाधान खोजने की कोशिश कर रहा है, जबकि प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, विरोध जारी रहेगा।

महाराष्ट्र में सीएम...

को मुख्यमंत्री नियुक्त करने का निर्णय भाजपा और आरएसएस के बीच सहज समन्वय बनाए रखने की उनकी क्षमता से प्रभावित है। यदि उन्हें ढाई साल का कार्यकाल पूरा करने से पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की भूमिका दी जाती है, तो भाजपा महासचिव विनोद तावड़े या पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल जैसे नेता मुख्यमंत्री के रूप में कदम रख सकते हैं। फिलहाल महाराष्ट्र में सीएम पद को लेकर महायुति में चर्चाओं का दौर जारी है। गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में, भाजपा ने अपने महत्वपूर्ण चुनावी प्रदर्शन का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री पद पर मजबूत दावा पेश किया है। पार्टी ने 2014 की अपनी संख्या को पार करते हुए 89 प्रतिशत स्ट्राइक रेट हासिल किया, और जनादेश को नेतृत्व के लिए एक संकेत के रूप में देखती है। सूत्र बताते हैं कि भाजपा नेतृत्व देवेंद्र फडणवीस का पक्षधर है, जिनकी शासन क्षमता और अनुभव गठबंधन को स्थिरता प्रदान कर सकते हैं। पांच साल तक सत्ता से बाहर रहने और 2019 के राजनीतिक घटनाक्रम से झटके का सामना करने के बाद, भाजपा कार्यकर्ता हतोत्साहित हो गए थे। पार्टी के आधार को फिर से मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री का पद सुरक्षित करना महत्वपूर्ण माना जाता है। चुनाव में महायुति सरकार का नेतृत्व करने वाले एकनाथ शिंदे इस जीत को अपने नेतृत्व के समर्थन के रूप में देखते हैं। शिंदे ने तर्क दिया है कि शिवसेना विधायकों पर अपनी पकड़ मजबूत करने और नीतिगत निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री का पद बरकरार रखना आवश्यक है। शिंदे ने खुद को एक मराठा नेता के रूप में भी स्थापित किया है, जो उस समुदाय से अपील करते हैं जो एक महत्वपूर्ण वोट बैंक है। मुख्यमंत्री का पद खोने से उनका अधिकार कमजोर हो सकता है और उनके नेतृत्व वाला शिवसेना गुट अस्थिर हो सकता है। खींचतान के बीच अजित पवार बीजेपी के दावे के आश्चर्यजनक समर्थक बनकर उभरे हैं। कथित तौर पर उनका समर्थन गठबंधन के भीतर सहज समन्वय की इच्छा और देवेंद्र फड़नवीस के साथ उनके व्यक्तिगत तालमेल से प्रेरित है। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के लिए पवार की प्राथमिकता को एकनाथ शिंदे के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने और गठबंधन में अधिक न्यायसंगत सत्ता-साझाकरण व्यवस्था सुनिश्चित करने की रणनीति के रूप में भी देखा जाता है।

बांग्लादेश में चिन्मय ...

जा रही है। चिन्मय प्रभु ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचारों के विरोध में कई रैलियां की हैं। इन रैलियों में उन्होंने लगातार अंतरिम सरकार के खिलाफ हमला बोला है। चिन्मय प्रभु बांग्लादेश में सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता के रूप में भी काम कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बीते 30 अक्तूबर को बांग्लादेश में राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने के आरोप में देशद्रोह अधिनियम के तहत चिन्मय कृष्ण दास प्रभु समेत 19 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। आरोप है कि बांग्लादेश में पांच अगस्त को हुए जनांदोलन के बाद छात्रों ने न्यू मार्केट चौराहे पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया था। 25 अक्तूबर को लालदिग्गी रैली के दिन सांप्रदायिक धार्मिक समूह इस्कॉन का गेरूआ रंग का धार्मिक झंडा फहराया गया। यह राष्ट्रीय ध्वज के ऊपर लगा दिया गया।

दिल्ली के हर बुजुर्ग ...

मान-सम्मान बना रहेगा। भाजपा ने यह घोषणा अरविंद केजरीवाल की उस घोषणा के जवाब में दिया है जिसमें दिल्ली सरकार ने सभी बुजुर्गों को दो हजार रुपए की पेंशन देने की शुरुआत की गई है। यह समय रेवड़ी देकर जनता से वोट लेने का है। महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा सहित अनेक चुनावों ने यह दिखा दिया है कि मतदाताओं को दी जाने वाली सहायता योजनाएं वोट बैंक बनकर उभर रही हैं। ऐसे में भाजपा भी इस दौड़ में पीछे नहीं रहना चाहती। आम आदमी पार्टी इस बार अपने चुनाव प्रचार अभियान में यह बात बार-बार जोर देकर कह रही है कि यदि भाजपा सत्ता में आती है तो दिल्ली के लोगों को मिल रही मुफ्त की सुविधाएं बंद की जा सकती हैं। लेकिन भाजपा जोर देकर यह कह रही है कि सभी योजनाएं न केवल चालू रहेंगी, बल्कि उन्हें बढ़ाया जाएगा। जिस तरह भाजपा ने बुजुर्गों को मिलने वाली पेंशन को सबके लिए अनिवार्य करने की घोषणा की है, उससे उसकी इसी नीति का संकेत मिलता है। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल ने आज की प्रेस कांफ्रेंस में यह झूठ दावा किया है कि दिल्ली में बुजुर्गों को सबसे अधिक पेंशन दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सर्वाधिक वृद्ध अवस्था पेंशन 2750 प्रति माह हरियाणा की भाजपा की सरकार दे रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा से आने वाले अरविंद केजरीवाल को अपने ही गृह प्रदेश के बारे में यह जानकारी न हो, इसे नहीं माना जा सकता। इससे लगता है कि वे जानबूझकर जनता से झूठ बोल रहे हैं। सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में बुजुर्गों की संख्या दस लाख से भी अधिक है, लेकिन केजरीवाल-आतिशी मारलेना की सरकार अब तक आधे बुजुर्गों को भी पेंशन नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि इसी से साफ हो जाता है कि अरविंद केजरीवाल केवल घोषणाएं करने में विश्वास रखते हैं। जनता की सेवा करना उनका उद्देश्य नहीं होता। सचदेवा ने कहा कि बुजुर्गों की पेंशन लंबे समय से रुकी पड़ी थी। अब तक नए बुजुर्गों को पेंशन नहीं दी जा रही थी। जिन्हें पेंशन मिल रही थी, उन्हें भी महीनों इसके लिए प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। लेकिन अब चुनाव आ गए हैं तो केजरीवाल-आतिशी मारलेना की सरकार बुजुर्गों को पेंशन देने का काम कर रही है। यदि चुनाव न होता तो अभी भी बुजुर्गों को पेंशन न दी जाती।

दुनियाभर में वाट्सएप ...

ऑनलाइन ट्रैकिंग टूल डाउनडिटेक्टर के अनुसार, 57 प्रतिशत उपयोगकर्ताओं ने वाट्सएप वेब से संबंधित समस्याओं की रिपोर्ट की है। इसके अलावा, 35 प्रतिशत यूजर्स ने ऐप पर विभिन्न समस्याओं का सामना किया है। यूजर्स के अनुसार, फोन में वाट्सएप अकाउंट ओपन ही नहीं हो रहा जिससे मैसेज सेंड नहीं हो पा रहे। चूंकि वाट्सएप सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग ऐप्स में से एक है, इस आउटेज ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया है। यूजर्स मेटा द्वारा समस्या को जल्द से जल्द हल करने और स्थिति स्पष्ट करने की उम्मीद कर रहे हैं। इस आउटेज के कारण फिलहाल लाखों यूजर्स वाट्सएप को एक्सेस करने में असमर्थ हैं। मेटा की ओर से कोई प्रतिक्रिया आने का सभी को बेसब्री से इंतजार है।

लोहित नदी में बह ...

बह गए थे और वह तब से ही लापता हैं। उन्होंने बताया कि चौधरी (55) आधिकारिक काम से तिनसुकिया पहुंचे थे। वह रविवार को अपनी पत्नी के साथ आए थे। अधिकारी ने बताया कि स्थानीय पुलिस, मछुआरों, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और सेना के जवानों ने मिलकर बचाव अभियान शुरू किया, लेकिन अधिकारी का अभी तक पता नहीं चल पाया है। बचाव अभियान की निगरानी और समन्वय के लिए रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और जिले के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। सूत्रों ने बताया कि अधिकारी का पता लगाने के लिए हवाई जहाज की भी मदद ली जा रही है।

संसद के दोनों ...

के लिए स्थगित कर दिया गया। ऐसी ही स्थिति राज्यसभा की भी रही और कार्यवाही को बुधवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। कार्यवाही पहले 11.45 और बाद में दिनभर तक के लिए स्थगित कर दी गई। कल संविधान दिवस मनाया जाएगा। अब लोकसभा और राजसभा की कार्यवाही बुधवार, 27 नवंबर को शुरू होगी।

अरुणाचल प्रदेश : लोहित नदी में बह गए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी

ईटानगर। अधिकारी ने बताया कि स्थानीय पुलिस, मछुआरों, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और सेना के जवानों ने मिलकर बचाव अभियान शुरू किया, लेकिन अधिकारी का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के एक वरिष्ठ अधिकारी अरुणाचल प्रदेश में परशुराम कुंड के पास लोहित नदी की तेज धारा में बह गए। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। धिकारी ने बताया कि एनएफआर के प्रधान मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुवेन्दु चौधरी रविवार दोपहर को नदी की तेज धारा में बह गए थे और वह तब से ही लापता हैं। उन्होंने बताया कि चौधरी (55) आधिकारिक काम से तिनसुकिया पहुंचे थे। वह रविवार को अपनी पत्नी के साथ आए थे। अधिकारी ने बताया कि स्थानीय पुलिस, मछुआरों, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और सेना के जवानों ने मिलकर बचाव अभियान शुरू किया, लेकिन अधिकारी का अभी तक पता नहीं चल पाया है। बचाव अभियान की निगरानी और समन्वय के लिए रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और जिले के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। सूत्रों ने बताया कि अधिकारी का पता लगाने के लिए हवाई जहाज की भी मदद ली जा रही है।

अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में 3 लोगों की मौत, कई घायल

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में हुई अलग-अलग दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को बताया कि चापर के पास बहलपुर नाथपारा में एक खड़ी ट्रैक्टर को मोटरसाइकिल ने टक्कर मार दी, जिससे स्थानीय निवासी हेमंत नाथ की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, एक अन्य सवार तरुण नाथ को गंभीर चोटें आईं और उन्हें तत्काल चिकित्सा के लिए बंगाईगांव ले जाया गया। वहीं, ग्वालपारा के माकरी में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 17 पर, स्विफ्ट कार और मोटरसाइकिल के बीच आमने-सामने की टक्कर में बंगाईगांव निवासी शंकर बर्मन की मौत हो गई। एक अन्य सवार मोंटू राभा को गंभीर चोटें आईं। इनके अलावा, बिश्वनाथ के बाघमारी सेंटर में एक तेज रफ्तार ट्रक ने मनोज दास उर्फ अपू दास की जान ले ली।

मोरिगांव में मादक पदार्थ के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव पुलिस ने एक अभियान में संदिग्ध ड्रग्स के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि मोरीगांव पुलिस ने भेलुगुड़ी पुलिस की मदद से मादक पदार्थ से भरे दो साबुनदानी के साथ दोनों तस्करों को पकड़ने में कामयाबी हासिल की। गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों की पहचान दलैगांव के गोलाप हुसैन और हांहचरा गांव के मोफिदुल इस्लाम के रूप में हुई है। दोनों के पास से छापेमारी टीम ने ड्रग्स से भरे प्लास्टिक की दो साबुनदानी के साथ दो पल्सर बाइक (एएस- 02 एजे- 4053 और एएस- 21जी- 6051) और दो मोबाइल फोन जब्त किए गए। उन्हें लहरीघाट पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

बाइक की सीट के नीचे से ड्रग्स बरामद, दो गिरफ्तार

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिले के डिगबोई में एक बाइक की सीट के नीचे रखा गया ड्रग्स बरामद किया गया। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आज बताया कि डिगबोई पुलिस ने थाने के सामने तलाशी लेते हुए पल्सर बाइक (एएस- 06क्यू- 8753) पर छापेमारी की। मार्घेरिटा उप-मंडल कार्यकारी मजिस्ट्रेट अल्केश बरदलै की उपस्थिति में छापा मारा गया और 7.75 ग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त की गई। अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए पूछताछ की जा रही है।

कमलपुर में लगी भीषण आग, जला घर

कामरूप (हिंस)। बाईहाटा चारिआली में कमलपुर के पास दुग्गुनपार में लगी भीषण आग में सत्येन काकती नामक एक व्यक्ति का घर जलकर राख हो गया। इस आग से घर के साथ ही मवेशी, मोटरसाइकिल आदि भी जल गए। घर में रखे गए सभी सामानों के साथ आवश्यक दस्तावेज आदि भी जलकर राख हो गए। आसपास के लोगों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आग बुझने के बाद ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचीं। अनुमान है कि आग से 5-6 लाख रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

हेरोइन समेत दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जालुकबारी पुलिस आउट पोस्ट के जयमती नगर इलाके में पुलिस की एक टीम ने अभियान चला कर भारी मात्रा में प्रतिबंधित हेरोइन समेत दो ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर जालुकबारी पुलिस आउट पोस्ट इलाके के जयमती नगर इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान दो ड्रग्स तस्करों को 12.38 ग्राम हेरोइन समेत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शाह आलम (26) और रबिउल हुसैन के रुप मे की गई है। गिरफ्तार दोनों आरोपित कामरूप (ग्रामीण) जिले के छयगांव के रहने वाले है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों के पास हेरोइन के अलावा एक बाइक (एएस-01एफआर-9913) जब्त किया है।

रंगिया : तोरोनी रास महोत्सव के अंतिम दिन भी रहा काफी उत्साह

रंगिया (विभास)। हरवर्ष की तरह इसबार भी रंगिया के तोरोनी स्थित हरि मंदिर प्रांगण में रास महोत्सव का व्यापक आयोजन किया गया। 15 नवंबर से 11 दिवसीय भव्य कार्यक्रमों के साथ आयोजित इस महोत्सव के अंतिम दिन सोमवार को भी भारी संख्या में भक्तों की भीड़ देखी गई। इस दौरान समूचा तोरोनी अंचल दूसरे स्वर्ग में तब्दील हो गया। महोत्सव के अंतर्गत मंदिर प्रांगण में मूर्तियां और सजावट अत्याधुनिक तकनीक और बड़े ही सुंदर ढंग से की गई जोकि सभी भक्तों के आकर्षण का केंद्र बिंदु रही। इसके अलावा समूचा अंचल विद्युत प्रकाश सज्जा और आकर्षक तोरण द्वार से चमचमाता रहा। आयोजन समिति द्वारा 11 दिवसीय रास महोत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यकमों का आयोजन किया गया। सोमवार को रास महोत्सव के समापन के मौके पर बॉलीवुड के गायक कलाकार पवन दीप राजन के गीतों ने सभी का मन मोह लिया।

होजाई पुलिस ने तीन बंदूकें जब्त कीं

होजाई (हिंस)। होजाई पुलिस ने नखुटी में छापामारी अभियान चलाया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए इस अभियान में तीन बंदूकें जब्त की गई हैं। इस सिलसिले में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान इशाक अली और सूफियान आलम के रूप में हुई है। इशाक अली नखूटी ग्राम पंचायत के वार्ड नंबर 10 में भाजपा की बूथ कमेटी नंबर 158 का अध्यक्ष हैं। अभियान का नेतृत्व होजाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पल्लब तामुली ने किया। इस सिलसिले में कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

श्री दि.जैन (बड़ा) मंदिर में अभिनंदन एवं छोल भराई कार्यक्रम का आयोजन

गुवाहाटी। रेण (नागौर) निवासी गुवाहाटी प्रवासी श्रीमती विमला देवी काला धर्मपत्नी स्व. कवरीलाल जी काला का आगामी पांच दिसंबर को पारसोला, उदयपुर (राजस्थान) मे विराजित आचार्य 108 श्री वर्धमान सागर महाराज के कर कमलों से जैनेश्वरी क्षुल्लिका दीक्षा ग्रहण करने जा रही है। जिसकी अनुमोदना हेतु सोमवार को फैंसी बाजार स्थित श्री दि. जैन मंदिर के ए.सी.हॉल में प्रात: 7 बजे अभिनन्दन एवं छोल भराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राजूल देवी सेठी द्वारा मंगलाचरण से हुआ। तत्पक्षात श्री दि.जैन महिला समिति द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत किया गया। पंचायत के उपाध्यक्ष ओमप्रकाश सेठी ने दीक्षाथी का परिचय प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विजय कु. गंगवाल, जय कु. छाबड़ा, निरंजन कु. गंगवाल, मानिक चंद झाझड़ी, अशोक कु. छाबडा, हंसराज रारा, विजय कु. पांडया, श्री दि. जैन यूथ फेडरेशन, पूर्वोत्तर प्रदेशीय दि. जैन महिला संगठन आदि लोगों ने दीक्षार्थी की छोल भराई की। तथा बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भी वैराग्य की अनुमोदना करते हुए पुण्यार्जन किया। इससे पूर्व आज प्रात: 6 बजे एटी रोड स्थित दीक्षार्थी के निवास स्थान से बनोरी निकाली गई। जो माछखोवा, जैल रोड, फैंन्सी बाजार होते हुए जैन मंदिर पहूंची। जहा दीक्षार्थी ने श्रीजी के दर्शन कर पुजा- अर्चना की। कार्यक्रम का संचालन पंचायत के मंत्री वीरेंद्र कु. सरावगी ने किया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजन कराने में समाज के सभी सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा। यह जानकारी समाज के प्रचार प्रसार विभाग के मुख्य संयोजक ओमप्रकाश सेठी एवं सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा दी गई है।

गुवाहाटी में पहला क्रीड़ा एक्सपो : महिलाओं और युवाओं को सशक्त करने की दिशा में बड़ा कदम

गुवाहाटी। असम क्रीड एक्सपो 2024 का पहला संस्करण, एक ऐतिहासिक 12-दिवसीय आयोजन, 29 नवंबर से 10 दिसंबर 2024 तक गुवाहाटी के लक्षीधर बोरा क्षेत्र (दिघली पुखुरी के सामने) में आयोजित होगा। यह आयोजन कम्युनिटी फॉर रिसोर्स एलेवेशन एंड इफेक्टिव डेवलपमेंट (क्रीड) द्वारा आयोजित किया गया है। इसका उद्देश्य महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाना और उनके हुनर व उद्यमशीलता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। यह एक्सपो पूर्वोत्तर भारत के शिल्पकारों, उद्यमियों, किसानों, उत्पादकों और स्टार्टअप्स को एक मंच प्रदान करेगा। यहां हस्तशिल्प, हथकरघा, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों और कृषि आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी लगेगी। इसके साथ ही, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, यूएई और भूटान जैसे देशों के उद्यमियों की भागीदारी से अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहन मिलेगा। यह पूर्वोत्तर भारत के उद्यमियों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचने के सुनहरे अवसर भी प्रदान करेगा। इस आयोजन को सरकारी संगठनों, जैसे नेडफी और डीसी हैंडीक्राफ्ट, तथा स्टार सीमेंट जैसे प्रमुख कॉरपोरेट्स का समर्थन प्राप्त है। यह भागीदारी एक्सपो की भूमिका को क्षेत्रीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने और आर्थिक सशक्तिकरण के नए रास्ते बनाने के लिए महत्वपूर्ण बनाती है। उद्घाटन समारोह 29 नवंबर 2024 को सुबह 11 बजे होगा। असम के सांस्कृतिक कार्य मंत्री, आदरणीय श्री बिमल बोरा इस मौके पर मुख्य अतिथि होंगे। इसके अलावा, प्रमुख विभागों और कॉरपोरेट्स के वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। एक्सपो को असमिया फिल्म अभिनेता रवि शर्मा और युवा आइकॉन सनिंद्या भुइयां का समर्थन भी मिला है, जो आयोजन में आकर्षण और उत्साह का संचार करेंगे। क्रीड एक्सपो 2024, पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक और उद्यमशीलता की समृद्धि को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह गुवाहाटी को इन क्षेत्रों में एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने का प्रयास भी है। इस आयोजन से जुटाई गई धनराशि का उपयोग वंचित समुदायों, खासकर महिलाओं, को सशक्त बनाने में किया जाएगा। यह क्रीड के सामाजिक और आर्थिक विकास के मिशन के अनुरूप है। यह पहल नवाचार, सांस्कृतिक धरोहर और उद्यमशीलता को एक साथ लाने की क्रीड की सोच को दर्शाती है। यह न केवल क्षेत्र के विकास को गति देगा, बल्कि पूर्वोत्तर भारत को वैश्विक पहचान दिलाने में भी मदद करेगा।

राज्य के कई शहरों में मनाई गई बीर लाचित फुकन की जयंती

बिश्वनाथ/बंगाईगांव/रंगिया (विभास)। संग्रामी युवा छात्र परिषद विश्वनाथ जिला के तत्वावधान में महान वीर योद्धा अहोम सेनापति लाचित बरफुकन की 402वीं जयंती बुधवार को बिश्वनाथ जिले में मनाई गई। संग्रामी युवा छात्र परिषद बिश्वनाथ जिला समिति और विश्वनाथ, जिंजिया आंचलिक समिति की सहयोग में तथा विश्वनाथवासियों के स्वागगत में केंद्रीय तौर पर लाचित दिवस मनाया गया। विश्वनाथ चारिआलि शहर के सार्वजनिक धर्मशाला परिसर में आयोजित कार्यक्रम में संग्रामी युवा छात्र परिषद के केंद्रीय समिति के अध्यक्ष देवजीत दत्त के साथ केंद्रीय समिति के विभिन्न पदाधिकारीगण मौजूद थे।अपराह्न बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय समिति के अध्यक्ष देवजीत दत्त ने की। जानकारी के अनुसार सुबह देवजीत दत्त ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद सचिव रंजीत बोरा ने शहीद तर्पण और हेमंत गोगोई ने महावीर लचित बरफुकन के मूर्ति में माल्यार्पण और दिव्यज्योति बरुवा ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।कार्यक्रम का शुभारंभ शब्दम् कलाकारों द्वारा सामूहिक गीत से किया गया। कार्यक्रम में निर्दिष्ट वक्ता के रूप में इतिहासकार तथा सेवानिवृत प्राचार्य डॉ. नित्यानंद गोगोई ने लचित बरफुकन के साथ वर्तमान परिस्थितियों के संदर्भ में भी व्याख्यान दी। इस कार्यक्रम में मूल सभा की संचालन अतनु शैकिया ने की और इसमें वरिष्ठ पत्रकार निरंजन हजारिका, किशोर हजारिका, विक्रम विकास बोरा, दिलीप गजुरेल, अजमेत शेख आदि ने भी अपना मार्गदर्शन दी। कार्यक्रम में समाजिक कार्यकर्ता तथा पत्रकार बंधु को अभिनंदन पत्र से सम्मानित किया गया। दिन के कार्यक्रम के समापन के बाद सांस्कृतिक संध्या मंच का उद्घाटन सामाजिक कार्यकर्ता और बिश्वनाथ प्रेस क्लब के सलाहकार निरंजन हजारिका ने किया। इधर वीर लाचित सेना असम की बिश्वनाथ आंचलिक समिति ने बिश्वनाथ चारिआलि के मध्य में वीणापानी नाट्य मंदिर के परिसर में लाचित दिवस मनाया। अध्यक्ष जतिन बोरा ने ध्वजारोहण किया। फिर तापोब्रत बोरा ने दीप प्रज्वलित की। लाचित दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता भी हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जतिन बोरा और संचालन धनटी दत्त ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता अमृत हजारिका, पलाश ज्योति कोच, बसंत बोरा और अन्य उपस्थित थे। **से हमारे संवाददाता के अनुसार** अखिल भारतीय इतिहास संकलन समिति, कामरूप के सौजन्य से और स्वयंसेवी संस्था %साधना% के सहयोग से रविवार को रंगिया के ऐतिहासिक राइजमेल कृषक शहीद भवन प्रांगण में 402वां लाचित दिवस मनाया गया। इस मौके पर रंगिया सम -जिला के अंतर्गत कई विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के बीच प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और व्याख्यान कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इतिहास संकलन समिति कामरूप जिला के अध्यक्ष डॉ. बिमल दास की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ रंगिया रायईजमेल कृषक शहीद स्मृति रक्षा समिति के सचिव पविन कलिता द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान विशेष वक्ताओं और मुख्य अतिथियों में रंगिया महाविद्यालय की अध्यापिका रानू चौधूरी और इतिहास संकलन समिति, कामरूप की सचिव विमला देवी ने वीर लाचित के बारे में विस्तृत रूप से व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में साधना के सचिव ज्योतिष कलिता भी उपस्थित रहे। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का संचालन मास्टर मानबेंद्र कुमार शर्मा ने किया और इस प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। **बंगाईगांव से हमारे संवददाता के अनुसार** मारवाड़ी सम्मेलन बंगाईगांव शाखा तथा महिला शाखा के तत्वावधान में स्थानीय तेरापंथ भवन के खुले प्रांगण में महान आहोम सेनापति बीर लाचित बरफुकन की 402वीं जन्म जयंती का पालन 24 नवंबर को किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए शाखा के अध्यक्ष राजेंद्र हरलालका ने स्वागत भाषण देते हुए उपस्थित सभी समाज बंधुओं एवं अतिथियों का स्वागत किया एवं बीर लाचित बरफुकन को महाबीर बताते हुए उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मंच पर महिला शाखा की अध्यक्षा मंजू दूगड़ के अलावा आमंत्रित अतिथियों में ग्रेटर बंगाईगांव प्रेस क्लब के सदस्य तेजस त्रिपाठी, धीरज चक्रवर्ती एवं अभिदीप चौधरी भी उपस्थित थे। डॉक्टर एस के दास को भी मंच पर आमंत्रित किया गया। सभी अतिथियों द्वारा बीर लाचित बरफुकन की प्रति छवि के सामने दीप प्रज्ज्वलन के साथ माल्यार्पण किया गया एवं उपस्थित सभी समाज बंधुओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। महिला शाखा की सदस्याओं अनु अग्रवाल, गुड़यिा अग्रवाल, मिट्ठू अग्रवाल एवं अर्चना सुरेका द्वारा प्रस्तुत असम के जातीय गीत के साथ शुरू हुए समारोह में 101 दीप प्रज्वलित किए गए। सभी अतिथियों ने बीर लाचित बरफुकन के ऊपर भावात्मक, शिक्षाप्रद, सलाहपूर्ण एवं प्रेरक संबोधन सभा में रखा। सभी वक्ताओं ने ऐसा कार्यक्रम करने के लिए मारवाड़ी सम्मेलन की प्रशंसा की तथा आशा व्यक्त की कि भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाते रहना चाहिए। इस गरिमामय समारोह का संचालन महेश कुमार अग्रवाल ने किया तथा ग्रेटर बंगाईगांव प्रेस क्लब के उपस्थित सभी सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए बहुमूल्य विचार साझा करने के लिए प्रशंसा की। समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों एवं सोशल मीडिया से जुड़े व्यक्तियों का फुलोम गमछा से सम्मानित किया गया। समारोह को सफल करने के लिए शाखा सचिव अजीत सिंह भंसाली ने सभी सदस्यों एवं समाज बंधुओ को सक्रिय सहयोग के लिए एवं अपनी गरिमापूर्ण उपस्थित के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। राष्ट्रगान एवं अल्पाहार के साथ समारोह का समापन हुआ। यह जानकारी प्रचार सचिव गोपाल हरलालका ने दी।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.
No.97PSC/Estt-32/2023-2024

NOTIFICATION

It is for general information to all candidates who qualified the OMR based screening test for the post of **Computer Operator** that the Assam Public Service Commission will hold the **Computer Proficiency Practical Test** on 07-12-2024 in the venue mentioned below. The detailed programme for the test is given below :

Sl. No.	Date & Day	Subject	Marks	Venue of Exam	Time
1	**06-12-2024 (Friday)**	**Document Verification**	...	**APSC office building, Khanapara, Guwahati-22 (4th Floor, Examination Hall)**	**10.30 AM**
2	**07-12-2024 (Saturday)**	**Computer Practical Test**	**100**	**Assam Engineering Institute (AEI), Chandmari, Ghy-03**	**10.30 AM to 12.00 Noon**

The candidates are requested to report to the office of the Commission positively at **10.00 A.M** on **06.12.2024** along with the following testimonials in ORIGINAL with self attested photocopies in chronological order for document verification on the abovementioned date & time, failing which the candidate would not be allowed to appear inthe Computer Test. -

i. H.S.L.C/H.S Admit/Marksheet/Pass Certificate as a proof of age.
ii. H.S.L.C Marksheet and Pass Certificate.
iii. Higher Secondary/Class-XII Marksheet and Pass Certificate.
OR
Three year Diploma in Engineering Marksheet and Pass Certificate.
iv. Marksheet and Certificate of diploma/certificate in computer proficiency.
v. Caste/PwBD certificate/BPL Card (if applicable).
vi. Permanent Residential Certificate / Employment Exchange Registration Certificate of Assam
vii. Declaration Form A ("May be downloaded from APSC's website").
viii. Any other documents that may be relevant for their candidature.
ix. Affidavit if any discrepancy found in original documents.

No intimation letter to the eligible candidates shall be sent separately by post. The intimation letters shall be uploaded on 29/11/2024 in the Assam Public Service Commission's website (www.apsc.nic.in). **The candidates shall have to download their own intimation letter from the aforesaid website and shall have to produce the e-admission on the day of Document Verification on 06-12-2024 and the day of Computer Practical Test on 07-12-2024.**

It is hereby mentioned to all concerned candidates that Windows inbuilt keyboard for Assamese typing in MS Word will be in the font 'Kalpurush'.

Sd/-
Deputy Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/9214/24/26-Nov-24

संपादकीय

महिलाओं का 'गेमचेंजर' जनादेश

महाराष्ट्र का जनादेश भाजपा और झारखंड का जनादेश झामुमो के पक्ष का जनादेश है। 'महायुति' गठबंधन का भी उतना ही योगदान है, लेकिन महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन को सुनामी-सा जनादेश मिला है। बेशक यह जीत प्रचंड, ऐतिहासिक और अभूतपूर्व रही है, तो उतनी ही अपमानजनक पराजय कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव) और एनसीपी (शरद) के गठबंधन 'महा विकास अघाड़ी' की है। चूंकि सबसे बड़ी पार्टी भाजपा रही है, लेकिन इतनी बड़ी जीत की कल्पना भाजपा नेतृत्व ने भी नहीं की थी। मतदान से एक दिन पहले तक 'महायुति' 165-170 सीटों का आकलन कर रहा था। भाजपा भी 105-108 सीटें जीतने को आश्वस्त थी, लेकिन जो जनादेश सामने आया है, उसे खुद भाजपा-महायुति के बड़े नेता भी 'अप्रत्याशित' और 'अविश्वसनीय' मान रहे हैं। भाजपा को अकेले ही 132 सीटों पर जनादेश हासिल हुआ है और उसका स्ट्राइक रेट करीब 90 फीसदी रहा है। शिवसेना (शिंदे) का भी स्ट्राइक रेट 71 फीसदी रहा है और एनसीपी (अजित) का करीब 80 फीसदी रहा है। यह वाकई शानदार और अकल्पनीय जनादेश रहा है। चुनावी मुकाबला भी एकतरफा साबित हुआ। शिवसेना की कुल 57 सीटें विपक्षी अघाड़ी की कुल 48 सीटों से भी अधिक हैं। भाजपा के संदर्भ में गौरतलब यह रहा कि उसने 2014 की 'मोदी लहर' में अकेले ही चुनाव लडक़र 122 सीटें जीती थीं, लेकिन इस बार जनादेश ऐसा है कि सामान्य बहुमत का आंकड़ा 145 सिर्फ 13 सीट दूर है। इस जनादेश की 'गेमचेंजर' रही-'लाडली बहिन योजना।' यह विचार मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों को दिया था। शिवराज इसे मप्र के चुनाव में सफलतापूर्वक आजमा चुके थे। उनका आग्रह था कि तुरंत प्रभाव से योजना लागू कर दी जाए, लिहाजा जुलाई से ही महाराष्ट्र की करीब 2.34 करोड़ महिलाओं के खातों में 1500 रुपए प्रति माह भेजने का सिलसिला शुरू हुआ। नवंबर में चुनाव तक हरेक महिला के खाते में 7500 रुपए पहुंच चुके थे। नतीजा सामने है। महिलाओं ने कुल 65 फीसदी से ज्यादा मतदान किया। खास तौर पर 15 सीटें ऐसी थीं, जहां महिलाओं ने सुनामी-सा जनादेश दिया। उनमें से 12 सीटें 'महायुति' ने जीतीं। मप्र का प्रयोग महाराष्ट्र में भी सफल रहा। अब भाजपा अन्य चुनावी राज्यों में भी इसे आजमाएगी। इसी तर्ज पर झारखंड में सोरेन सरकार की 'मईयां योजना' का फायदा झामुमो गठबंधन को मिला। मध्य वर्ग से निचली जमात की महिलाओं ने अपने पुरुषों के वोट संबंधी आदेश को खारिज कर दिया और सवाल किया कि क्या आप 1500 रुपए महीना हमें दे सकते हैं? इस सवाल के साथ ही 'महायुति' को महिलाओं का व्यापक जनादेश हासिल हुआ। हालांकि 'अघाड़ी' ने महिलाओं को 3000 रुपए माहवार देने की चुनावी घोषणा की थी, लेकिन विश्वास उस पर किया गया, जो 7500 रुपए उनके खातों में भेज चुका है। अब 'महायुति सरकार' 2100 रुपए हर महीने महिलाओं को देगी। बहरहाल महाराष्ट्र का चुनाव इसलिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा था, क्योंकि यह देश का सबसे समृद्ध राज्य है। सबसे अधिक जीडीपी, कर-संग्रह और प्रति व्यक्ति आय भी महाराष्ट्र के हिस्से में आती हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई इसी राज्य की भी राजधानी है। उप्र के 80 सांसदों के बाद महाराष्ट्र से ही 48 सांसद चुनकर लोकसभा में जाते हैं। विधानसभा भी 288 विधायकों का सदन है। महाराष्ट्र के चुनाव में बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी, भ्रष्टाचार, किसानी के साथ-साथ मराठा आरक्षण या गौरव, शरद पवार की 'चाणक्यगीरी', वोट जेहाद, दलित-बौद्ध आदि कोई भी मुद्दा 'जनादेशी' साबित नहीं हुआ। शिवसेना और बाल ठाकरे की विरासत भी जनादेशी तौर पर उद्धव ठाकरे से छिन गई। पवार परिवार में 'चाचा' की प्रासंगिकता बेहद धुंधली पड़ गई। अगले चुनाव तक शरद पवार 89 साल के होंगे। वह उम्र चुनाव लडऩे लायक नहीं बचती। जनता को कुल मिलाकर भाजपा गठबंधन की स्थायी और डबल इंजन सरकार पर ही भरोसा हुआ। राहुल गांधी के संविधान, अडानी और जातीय जनगणना सरीखे मुद्दे भी फ्लॉप साबित हुए। कांग्रेस इतनी रसातल में पहुंच चुकी है कि राजनीतिक और चुनावी तौर पर उसे गहरा आत्ममंथन करना पड़ेगा। बहरहाल मोदी ने इसे विकास, सुशासन और सच्चे सामाजिक न्याय का जनादेश माना है।

> बेशक यह जीत प्रचंड, ऐतिहासिक और अभूतपूर्व रही है, तो उतनी ही अपमानजनक पराजय कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव) और एनसीपी (शरद) के गठबंधन 'महा विकास अघाड़ी' की है। चूंकि सबसे बड़ी पार्टी भाजपा रही है, लेकिन इतनी बड़ी जीत की कल्पना भाजपा नेतृत्व ने भी नहीं की थी। मतदान से एक दिन पहले तक 'महायुति' 165-170 सीटों का आकलन कर रहा था। भाजपा भी 105-108 सीटें जीतने को आश्वस्त थी, लेकिन जो जनादेश सामने आया है, उसे खुद भाजपा-महायुति के बड़े नेता भी 'अप्रत्याशित' और 'अविश्वसनीय' मान रहे हैं। भाजपा को अकेले ही 132 सीटों पर जनादेश हासिल हुआ है और उसका स्ट्राइक रेट करीब 90 फीसदी रहा है।

भारत के शेयर बाजार में कुछ विदेशी निवेशकों के द्वारा जोखिम वाली संपत्तियां बेची जा रही हैं और वे अपना बड़ी संख्या में निवेश निकाल रहे

वैश्विक संघर्ष से भारत की आर्थिक चिंताएं

डा. जयंती लाल भंडारी

> चिंताएं बढ़ती कीमतों, शेयर बाजार में गिरावट, माल ढुलाई की लागत बढऩे, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, भारत से चाय, मशीनरी, इस्पात, रत्न, आभूषण तथा फुटवियर जैसे क्षेत्रों में निर्यात आदेशों में कमी, निर्यात के लिए बीमा लागत में वृद्धि तथा युद्ध में उलझे हुए देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार में कमी के रूप में दिखाई दे रही हैं। स्थिति यह है कि वैश्विक शेयर बाजार के साथ-साथ भारत के शेयर बाजार पर भी असर पडऩा शुरू हुआ है।

यकीनन इस समय बढ़ते हुए रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-ईरान संघर्ष के कारण भारत की भी आर्थिक चिंताएं बढ़ गई हैं। ये चिंताएं बढ़ती कीमतों, शेयर बाजार में गिरावट, माल ढुलाई की लागत बढऩे, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, भारत से चाय, मशीनरी, इस्पात, रत्न, आभूषण तथा फुटवियर जैसे क्षेत्रों में निर्यात आदेशों में कमी, निर्यात के लिए बीमा लागत में वृद्धि तथा युद्ध में उलझे हुए देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार में कमी के रूप में दिखाई दे रही हैं। स्थिति यह है कि वैश्विक शेयर बाजार के साथ-साथ भारत के शेयर बाजार पर भी असर पडऩा शुरू हुआ है। पश्चिम एशिया संकट और चीन से सरकारी प्रोत्साहन के दम पर बाजार चढऩे के मद्देनजर भारत के शेयर बाजार में कुछ विदेशी निवेशकों के द्वारा जोखिम वाली संपत्तियां बेची जा रही हैं और वे अपना बड़ी संख्या में निवेश निकाल रहे हैं। स्थिति यह है कि सेंसेक्स और निफ्टी के लिए अक्टूबर और नवंबर 2024 दो साल की बड़ी गिरावट के महीनों के रूप में दिखाई दे रहे हैं। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की खरीदी का भी रुख कर रहे हैं। इससे वैश्विक स्तर के साथ-साथ भारत में भी सोने की खपत और सोने की कीमतें बढ़ी हैं। एक चिंताजनक बात यह है कि ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष का असर वैश्विक शिपिंग रूट्स पर भी पड़ सकता है। दुनिया को मिलने वाला करीब एक-तिहाई तेल और खाद्य व कृषि उत्पादों का अधिकांश यातायात इसी मार्ग से होता है। इससे खाद्य पदार्थों, जैसे कि गेहूं, चीनी और अन्य कृषि उत्पादों की कीमतें बढऩे लगेंगी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि ईरान और इजरायल के बीच युद्ध का अप्रत्यक्ष प्रभाव भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत अभी भी ज्यादातर दवाओं के लिए कच्चे माल का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। ऐसे में दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका होगी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पश्चिम एशिया में युद्ध के बढऩे पर भारतीय शेयर बाजार में तेज गिरावट और महंगाई वृद्धि का दौर निर्मित होते हुए दिखाई दे रहा है। लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भी भारत के कई ऐसे मजबूत आर्थिक पक्ष हैं जिनसे भारत के आम आदमी और भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक नुकसान नहीं हो सकेगा। खास बात यह है कि इस समय भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। भारत खाद्यान्न अतिशेष

वाला देश है और देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भी भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना हुआ है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक 21 नवंबर तक भारत के पास 650 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है, जिससे भारत किसी भी आर्थिक जोखिम का सरलतापूर्वक सामना करने में सक्षम है। यदि दुनिया के युद्धग्रस्त देशों में युद्ध और तेजी से बढ़ेगा, तो कच्चे तेल के वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढऩे का सिलसिला शुरू हो सकता है और अब यदि कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी, तो दुनियाभर में कई वस्तुओं के दाम बढऩे के साथ-साथ भारत में भी कीमतें बढऩे का सिलसिला शुरू हो सकता है। चूंकि ईरान दुनिया के सबसे बड़े कच्चा तेल उत्पादकों में से एक है और यह देश पश्चिम एशिया के संवेदनशील इलाकों में स्थित है, ऐसे में ईरान के तेल बाजार में अस्थिरता से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढऩे पर पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे। यह भी चिंताजनक है कि अभी देश में महंगाई बढऩे का रुझान स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। 14 नवंबर को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में थोक महंगाई दर बढक़र 2.36 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो 4 महीने का उच्चतम स्तर है। बीते महीने खाद्य पदार्थों, विशेष रूप से सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतें महंगी हो गई हैं। सितंबर 2024 में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 1.84 प्रतिशत थी। ज्ञातव्य है कि 12 नवंबर को प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर 2024 में खुदरा महंगाई दर बढक़र 6.21 प्रतिशत हो गई। यह महंगाई का 14 महीने का उच्चतम स्तर है। इससे पिछले महीने सितंबर में खुदरा महंगाई दर 5.49 प्रतिशत दर्ज की गई थी तथा अगस्त में 3.65 प्रतिशत थी। आलू, प्याज के साथ अन्य सभी प्रकार की सब्जियों की कीमतों में तेज वृद्धि तथा महंगे हुए अनाज व फलों के कारण अक्टूबर माह में खाद्य वस्तुओं की खुदरा महंगाई दर भी बढक़र 10.87 प्रतिशत हो गई, जबकि सितंबर माह में यह 9.24 प्रतिशत तथा माह अगस्त में 5.66 प्रतिशत थी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच अब सरकार को भी महंगाई नियंत्रण के लिए बहुआयामी रणनीति की डगर पर आगे बढऩा होगा। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते वैश्विक तेल की कीमतों में आए उछाल पर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में अधिक तनाव बढऩे पर भारत कच्चे तेल के किसी भी संकट से निपटने में सक्षम होगा। पहले भारत 27 देशों से कच्चा तेल खरीदता था, अब इन देशों की संख्या बढक़र 39 हो गई है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के बजट के तहत शीघ्र खराब होने वाले सामान की बाजार में समुचित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जो प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, उनका उपयोग किया जाने लगा है। बजट के तहत उपभोक्ता मामलों के विभाग को दाम स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के लिए जो धनराशि आवंटित की गई है, उसका उपयोग जहां दाल, प्याज और आलू के बफर स्टॉक को रखने के लिए किया जाने लगा है, वहीं अन्य खाद्य वस्तुओं के बढ़े दामों को नियंत्रित करने के लिए भी इस कोष का इस्तेमाल किया जाने लगा है। हम उम्मीद करें कि पश्चिम एशिया संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के विस्तारित होने पर सरकार बाजार की गिरावट रोकने के लिए भी रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी। हम उम्मीद करें कि सरकार पीएलआई योजना के तहत दवाई उद्योग में काम आने वाले जिन 35 प्रमुख कच्चे मालों (एपीआई) का उत्पादन देश में ही कर रही है, उनके अलावा करीब 18 प्रकार के एपीआई का उत्पादन भी देश में ही करने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगी, ताकि दवाइयों के दामों पर नियंत्रण रखा जा सके। ऐसे बहुआयामी रणनीतिक प्रयासों से देश के आमजन व देश की अर्थव्यवस्था को पश्चिम एशिया संघर्ष और विस्तारित होते रूस-यूक्रेन युद्ध के दुष्प्रभावों से बहुत कुछ बचाया जा सकेगा। भारत को किसी ठोस योजना पर काम करना चाहिए।

दृष्टि कोण

हमारा संविधान : कितना सफल, कितना विफल

विश्व के सर्वश्रेष्ठ संविधानों का अध्ययन करने के पश्चात जो हमारे देश के प्रति अनुकूल हो, ऐसी व्यवस्थाओं को अपनाकर देश की स्थितियों के अनुसार परिवर्तन कर, उन्हें लागू करने की गाथा अपने आप में एक गौरवमयी यात्रा रही है। इससे भी अधिक भारतीय संविधान निर्माण की गाथा ऐतिहासिक भी रही है, क्योंकि जब भारत स्वतंत्र हुआ तो नीति निर्माताओं के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती देश को संचालित करने के लिए अपने कानून, नियमों का होना था, जिसकी पूर्ति के लिए संविधान सभा का गठन हुआ, जोकि देश के प्रत्येक क्षेत्र की प्रतिनिधि थी। भारतीय संविधान की रचना भी कोई एक दिन की कहानी नहीं है, बल्कि कई वर्षों के अथक प्रयासों का सम्मिलित रूप है। आज की पीढ़ी को सब कुछ थाली में सजा-परोसा मिलता है न, इसीलिए उसे इसकी कीमत पता नहीं है। हमारे देश ने करीब दो सौ सालों तक केवल ब्रिटिश हुकूमत की गुलामी झेली है। यह समय कितना असहनीय और पीड़ादायी रहा है, यह हमारे लिए कल्पना के भी परे है। किसी भी देश-समाज के संतुलित विकास में उस देश के नियम व कानून बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। भारत में इन कानूनों-नियमों का शासन शास्त्र संविधान कहलाता है। शासन प्रशासन की शक्तियों का स्त्रोत हमारा भारतीय संविधान अपने आप में एक विशेष आयाम रखता है जिस आधार पर ही इसे विश्व के सबसे लंबे व विस्तृत संविधान होने का गौरव प्राप्त है। हम सभी बेहद भाग्यशाली हैं, जो हमने स्वतंत्र भारत में जन्म लिया। हम कुछ भी कर सकते हैं, कहीं भी आ-जा सकते हैं। कुछ भी बोल सकते हैं। जरा सोचिए, कितना हृदय विदारक होता होगा, जब आपको बात-बात पर यातनाएं दी जाती हों। भारत ने कभी गुलामी स्वीकार नहीं की, बल्कि सदैव संघर्ष किया तथा 1947 में अंग्रेजों को भगाया और देश के कुशल संचालन की चिंता चिंतन में परिवर्तित हुई तथा संविधान सभा ने संविधान को 26 नवंबर 1949 को पारित किया तथा 26 जनवरी 1950 से यह प्रभावी हुआ। 26 नवंबर भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है, जबकि 26 जनवरी का दिन भारत में गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। 02 वर्ष 11 महीने 18 दिन तक चले रचना कार्य में निर्माताओं ने एक ऐसा कानूनी दस्तावेज तैयार किया जो वर्तमान की स्थिति, भविष्य की योजना व पूर्व के इतिहास को एक साथ लेकर आगे बढ़ा और आज पूरे विश्व के लिए एक आदर्श मिसाल प्रस्तुत करता है। वर्तमान काल में चिंतन का विषय आ जाता है कि क्या 'शासन का शास्त्र' सही मायने में बन भी पाया है हमारा संविधान, या वास्तविकता कुछ और ही है? वैसे किसी भी राष्ट्र का सबसे पवित्र ग्रंथ उस देश का संविधान होता है, लेकिन भारत में अधिकांश लोगों को संविधान का सार, यानी प्रस्तावना तक का एक भी अंश याद नहीं होगा। लोगों को समझना होगा कि भारत के संविधान का जब निर्माण हुआ था तो यह देश की भौगोलिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक-सामाजिक विरासत व परिस्थितियों का एक प्रतिबिंब था। इसका अनुसरण करके हम भारत को समझ सकते थे। हमें यह 'शासन शास्त्र' ऐसे ही विरासत में नहीं मिला है। इसका एक-एक नियम, अधिकार, कत्र्तव्य, निर्देशक सिद्धांत, उपबंध व सभी व्यवस्थाएं कड़े संघर्ष के पश्चात हमें प्राप्त हुए हैं व विकट परिस्थितियों के बीच प्राप्त हुए हैं, लेकिन आज यह भारत का कानून है, देश का कोई भी व्यक्ति इस 'शासन शास्त्र' से उच्च नहीं है और न कभी हो सकता है। यही बात तो हमारे संविधान को जीवंत बना देती है। हमारा संविधान इसलिए भी विरला और जीवंत है क्योंकि भारत की प्रत्येक परिस्थिति के अनुसार इसमें उपबंध शामिल हैं, जो प्रत्येक अनुकूल व प्रतिकूल स्थिति के अनुसार ढल जाते हैं। भारत के संविधान पर भले ही अन्य विदेशों के संविधानों का थोड़ा या ज्यादा प्रभाव जरूर पड़ा हो, लेकिन इस बात को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि हमारे संविधान पर हमारी पुरातन भारतीय संस्कृति की अमिट छाप है। इसे हम सब ने आत्मार्पित किया है।

कुछ अलग

जनादेश का संदेश

पहली नजर में महाराष्ट्र व झारखंड के विधानसभा चुनाव परिणामों का निष्कर्ष यह है कि राज्यों की जनता ने सत्तारूढ़ गठबंधनों में ही विश्वास जताया है। हालांकि, दोनों राज्यों के मुद्दे व राजनीतिक परिदृश्य एक दूसरे से भिन्न हैं, लेकिन महाराष्ट्र में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की अप्रत्याशित जीत ने सबको चौंकाया है। इतनी बड़ी कामयाबी की उम्मीद शायद भाजपा गठबंधन को भी नहीं रही होगी। वहीं दूसरी ओर भले ही झारखंड में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने सत्ता बरकरार रखी हो, मगर महाराष्ट्र की महाविजय झारखंड के मुकाबले अधिक महत्वपूर्ण है, जिसके गहरे निहितार्थ हैं। ऐसा लगा कि भाजपा ने कुशल संगठन और रणनीति के बूते जीतने की आदत विकसित कर ली है। महाराष्ट्र में ऐसी शानदार जीत की कल्पना राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार व उद्धव ठाकरे के होते हुए शायद ही किसी ने की हो। दरअसल, छह माह से कम समय पहले महा विकास अघाड़ी, जिसमें कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना के उद्धव ठाकरे धड़े ने लोकसभा चुनाव में भाजपा व उसके सहयोगियों को पछाड़ दिया था। ऐसे में विधानसभा चुनाव में गठबंधन की उम्मीदें बढ़ गई थीं। लेकिन अति आत्मविश्वास और दलों में फूट के कारण गठबंधन ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। कांग्रेस भी हरियाणा में मिले झटके से कोई सबक नहीं सीख पायी। इसके विपरीत, महायुति ने मतदाताओं को लुभाने के लिये हर संभव प्रयास किया। खासकर महिला केंद्रित लाड़ली बहन योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं ने अद्भुत काम किया। वैसे महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन को ध्रवीकरण का भी खासा लाभ मिला। उनकी सफलता में इसके अलावा शिवसेना व राकांपा में विभाजन का लाभ भी भाजपा को मिला। लेकिन वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव परिणामों में गठबंधन द्वारा पूर्ण बहुमत मिलने के बाद जैसी अराजकता व अनिश्चितता पैदा हुई, उम्मीद की जानी चाहिए कि फिर वैसे हालात पैदा नहीं होंगे। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि विजयी गठबंधन सरकार का गठन सुचारु रूप से करे। वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन के जो मुद्दे चले, वे झारखंड में निष्प्रभावी रहे। हेमंत सोरेन झारखंड की जनता को विश्वास दिलाने में कामयाब रहे कि वे आदिवासी हितैषी हैं। 'एक हैं तो सेफ हैं' का नारा तथा घुसपैठियों का मुद्दा झारखंड के लोगों को रास नहीं आया। कहीं न कहीं प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कथित भ्रष्टाचार के आरोप में हेमंत सोरेन के खिलाफ हुई कार्रवाई उनके लिये सहानुभूति जगाने की वजह बनी। वहीं महिलाओं के खातों में गई एकमुश्त रकम ने उन्हें बड़ा संबल दिया। महिला कल्याण केंद्रित योजनाओं के चलते महिला वोटर महाराष्ट्र और झारखंड में निर्णायक साबित हुए। लेकिन दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम कांग्रेस के लिये बड़ा झटका हैं। एक ओर जहां वह झारखंड में झामुमो के कनिष्ठ सहयोगी के रूप में सरकार का हिस्सा रहेगी, वहीं महाराष्ट्र में हुई हार ने उसे इंडिया गठबंधन में बड़ी भूमिका निभाने की स्थिति को कमजोर किया है। आशा है भविष्य की रणनीति बनाने में उसके लिये महाराष्ट्र के सबक मददगार साबित होंगे।

देश दुनीया से

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सुक्खू सरकार को राहत

हाल ही में, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने छह मुख्य संसदीय सचिवों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया था। यह निर्णय संविधान की गरिमा रक्षा में न्यायपालिका की अहम भूमिका को ही उजागर करता है। साथ ही शासन की राजकोषीय जिम्मेदारी, तथा कार्यपालिका की सीमाओं को दर्शाता है। राजनीतिक हितों साधने के लिये विधायकों को सुविधा देने को चुनौती देकर, यह फैसला एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के शुक्रवार को आए फैसले ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा नियुक्त छह मुख्य संसदीय सचिवों की नियुक्ति मामले में राहत दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट निर्देश राज्य में हटाये गए छह मुख्य संसदीय सचिवों की विधानसभा सदस्यता को बरकरार रखा है। वे विधायक बने रहेंगे। दरअसल, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट का यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न उच्च न्यायालयों जैसे पंजाब-हरियाणा (2009), राजस्थान (2018), और गुवाहाटी (2017) के पिछले फैसलों के अनुरूप है, जिन्होंने इसी तरह मुख्य संसदीय सचिवों नियुक्तियों को अवैध ठहराया था। ये फैसले संविधान के 91वें संशोधन के तहत इन पदों पर रोक लगाने की पुष्टि करते हैं, जो राज्य विधानमंडल की कुल सीटों के 15 प्रतिशत तक मंत्रिपरिषद का आकार सीमित करता है। हिमाचल सरकार के महाधिवक्ता अनूप कुमार रतन ने राज्य का पक्ष रखते हुए दावा किया कि सीपीएस नियुक्तियां विधायिका सदस्यता को समाप्त नहीं करेंगी। उन्होंने असम के सीपीएस मामलों का हवाला दिया, जिनमें नियुक्तियों को रद्द किया गया था, लेकिन विधायकों को अयोग्य नहीं ठहराया गया। वहीं, भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट में एक कैविएट दायर कर सीपीएस को अयोग्य ठहराने की मांग की है। मौजूदा सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पहली नहीं है जिसने ऐसी नियुक्तियां की हों। इससे पहले 2013 में भाजपा की धूमल सरकार और कांग्रेस की वीरभद्र सिंह सरकार ने भी सीपीएस नियुक्तियों का भरपूर उपयोग किया था। हालांकि, पूर्व जयराम ठाकुर सरकार ने ऐसी नियुक्तियां करने से परहेज किया। इन पदों को रद्द कर, कोर्ट ने मंत्री

प्रभाव के विस्तार की एक अनौपचारिक प्रथा को रोक दिया है। यह निर्णय अन्य राज्यों को भी अपनी रणनीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित कर सकता है, खासकर जहां मुख्य संसदीय सचिवों नियुक्तियां आंतरिक पार्टी संघर्षों को प्रबंधित करने के लिए उपयोग की जाती हैं। दरअसल, सीपीएस को पदों से हटाने से प्रशासनिक संरचनाओं को सरल बनाया गया है, जिससे शक्ति के एक अनावश्यक विस्तार को समाप्त किया गया है। अब, शासन मंत्रियों और नौकरशाहों पर केंद्रित होगा, जिससे दक्षता और जवाबदेही बढ़ सकती है। निस्संदेह, सीपीएस नियुक्तियां राज्य पर वित्तीय बोझ डालती हैं। हिमाचल प्रदेश, जो पहले से ही बढ़ते कर्ज और सीमित केंद्रीय सहायता के चलते वित्तीय संकट का सामना कर रहा है। अब राज्य सरकार के पास स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में खर्च करने के लिए धन को पुनः आवंटित करने का अवसर होगा। यह निर्णय आर्थिक सुधारवादियों और करदाताओं के लिए लाभकारी है, साथ ही अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करता है। हिमाचल हाईकोर्ट का फैसला न्यायपालिका की संवैधानिक अखंडता को सुदृढ़ करता है। यह 91वें संशोधन की प्रासंगिकता की पुष्टि करता है और भविष्य की सरकारों को संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन करने से हतोत्साहित करेगा। यह निर्णय राजनीतिक फिजूलखर्ची को सीमित कर, अन्य राज्यों में समान कानूनी चुनौतियों को प्रेरित कर सकता है। यह फैसला न्यायपालिका पर जनता के विश्वास को भी मजबूत करता है। जब हिमाचल प्रदेश को अपने कर्मचारियों को वेतन और सेवानिवृत्त कर्मियों को पेंशन देने में कठिनाई हो रही है, तो ऐसे में इन पदों को रद्द करने को एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा सकता है। दरअसल, मुख्य संसदीय सचिवों की अवधारणा लंबे समय से विवादास्पद रही है। अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकार प्रदान करने के उद्देश्य से बनाए गए ये पद अक्सर कार्यपालिका और विधायिका के बीच शक्ति पृथक्करण को बाधित कर देते हैं। 91वें संशोधन ने मंत्रिपरिषद के आकार को सीमित करके इस तरह की विसंगतियों को दूर करने की कोशिश की गई है, जिसे राज्य सरकारें अक्सर नजरअंदाज करती हैं। हिमाचल हाईकोर्ट का फैसला संकेत देता है कि इस तरह की नियुक्तियां संवैधानिक उपायों को कमजोर करती हैं। हिमाचल हाईकोर्ट का फैसला अन्य राज्यों को भी सीपीएस जैसे पदों को संवैधानिक सीमाओं में रखने के लिए प्रेरित कर सकता है, जिससे न्यायपालिका का सम्मान और पारदर्शी शासन प्रणाली सुनिश्चित हो सके। हालांकि, यह फैसला राज्य सरकारों के लिए असहज होते हुए भी, शासन को संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप परिभाषित करने का अवसर प्रदान करता है।

आप का नजरीया

शहर के आगोश में गांव

शहरीकरण के नक्शे पर हिमाचल ने नए सफर की शुरुआत करते हुए कुछ पंचायतों को नगर पंचायत, नगर पंचायतों को नगर परिषद और नगर परिषदों को नगर निगम का दर्जा दे दिया है। इस तरह संधोल, धर्मपुर, बड़सर, भोरंज और बंगाणा अब ग्रामीण इलाके नहीं रहे, जबकि नादौन और ज्वाली पूरी तरह अपनी व्यवस्था में शहरी हो गए। नगर निकायों के नए दर्पण में बद्दी, हमीरपुर और ऊना अब निगम की परिपाटी में कई गांवों को शहरी आगोश में लेंगे। गांवों पर शहरों की तख्तियां कोई सरहद नहीं, बल्कि मानवीय व्यवहार का तखल्लुस है। अपनी आर्थिक संरचना, जीवन शैली, रोजगार प्राथमिकता व सामाजिक सुरक्षा के कारण हिमाचल के नागरिक पूरी तरह शहर के व्यवहार में गांव में रह रहे हैं। शहर पूरी तरह जीवन में रच-बस गया है, लेकिन कर अदायगी के आचरण में हिमाचली परिदृश्य खुद को अनछुआ घोषित करता रहा। यह तो राष्ट्रीय नीतियां व केंद्रीय योजनाओं में वित्त पोषण की वजह है जो अब बड़े ही कसीदे से कुछ गांवों के गले में शहरी मंगलसूत्र डाला जा रहा है, वरना आधी सदी से यहां अमल में लाया गया ग्राम एवं नगर योजना कानून इस तरह असहाय न होता। शहरीकरण को सही मायने में अंगीकार करने में कहीं न कहीं हिमाचल ने काफी वक्त खोया है, वरना हमारी दृश्यावलियां व खेत बिगडऩे से पहले बच गए होते। हम पहाड़ की भौगोलिक परिस्थिति को शहरीकरण के अनुकूल मानते ही नहीं रहे, वरना आधुनिकता के बोझ में पहाड़ यूं ही नहीं काटे जाते। आधुनिक हिमाचल में विस्थापन के कारण कुछ मायने में बिलासपुर को नए शहर में बसाया गया या औद्योगिक खोज ने परवाणू की पैमाइश में नया नगर बना दिया, वरना बीबीएन की आर्थिकी में शहरीकरण आज तक उपेक्षित है। लिबास में प्रदेश का सबसे बड़ा शहरी कस्बा बीबीएन अगर आवासीय व अन्य सुविधाओं में शहरी होता, तो औद्योगिक आर्थिकी से हिमाचल के हिस्से में भी पंचकूला या मोहाली सरीखा एक व्यवस्थित शहर होता। आज बीबीएन की शहरी क्षमता रोज रात को चंडीगढ़ के आसपास निकल जाती है। इस नुकसान का आकलन केवल वित्तीय नहीं, बल्कि सामूहिक निष्कासन से हमने शहरीकरण से जुड़ा अपना रुतबा खो दिया। खैर अब बद्दी को नगर निगम की तरजीह में सजाने-संवारने का अवसर मिल रहा है, तो हमीरपुर व ऊना अपने भीतर शहरी क्षमता का विस्तार व आर्थिक उजास पैदा कर रहे हैं। इस तरह हिमाचल में आठ नगर निगम स्थापित हो रहे हैं। अब सवाल यह कि नगर निगमों की व्यवस्था के तहत शहर और गांव के बीच नागरिक तहजीब में कितना अंतर आता है। करीब नौ साल पहले नगर निगम बने धर्मशाला शहर में आए परिवर्तन अगर मानक हैं, तो हकीकत यह है कि सम्मिलित क्षेत्र अभी भी एक पांव गांव और दूसरा शहर में रखे हुए हैं। न तो शामिल किए गए क्षेत्र पूरी तरह शहरी बन पाए और न ही यहां से आय के साधन बढ़े। आश्चर्य यह कि हिमाचल में आजादी से पूर्व सैन्य छावनी का दर्जा हासिल योल कैंप जब से आजाद हुआ है, इसकी ख्वाहिश में ग्रामीण पंचायतों का चयन बढ़ रहा है, जबकि यहां दशकों की शहरी व्यवस्था को नए इंतजाम के तहत धर्मशाला नगर निगम से जोड़ देना चाहिए।

कांग्रेस गिरगिट के समान, लोकसभा चुनाव में झूठ फैलाया : नायब सैनी

सीएम ने किया सबसे बड़े पुल सूर्यनगर आरओबी व आरयूबी का उद्घाटन

हिसार (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस को गिरगिट की संज्ञा देते हुए कहा है कि देश के लोगों को कांग्रेस से बचना चाहिए। भाजपा ही देश व प्रदेश का भला कर सकती है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को यहां सूर्यनगर आरओबी व आरयूबी का उद्घाटन उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस का रवैया जनता ने अच्छी तरह से देख व परख लिया है। संविधान बदलने का झूठ फैलाकर कांग्रेस जनता में गई लेकिन कुछ ही समय में जनता ने कांग्रेस की असलियत को परख लिया और विधानसभा में कांग्रेस को फिर मुंह की खानी पड़ी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति कर रहा है और जनता भी जान चुकी है कि भाजपा ही देश को विकास के रास्ते पर आगे ले जा सकती है। ऐसे में जनता को कांग्रेस से बचना चाहिए क्योंकि आने वाले समय में पता नहीं कांग्रेस किस रंग में सामने आ जाए और क्या झूठ फैलाने का प्रयास करे। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि हिसार एयरपोर्ट से जल्द ही फ्लाइट उड़ेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इसके लिए समय लिया जाएगा। उनके बिना कुछ भी करने की कल्पना नहीं कर सकते। हिसार से जल्द फ्लाइट शुरू हो इसके लिए सरकार प्रयास कर रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने हिसार के सबसे बड़े पुल सूर्य नगर रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) व अंडरब्रिज (आरयूबी) को जनता को समर्पित किया। इस पर पुल 68 करोड़ 68 लाख की लागत आई है। इस पुल की लंबाई- 1185 मीटर, चौड़ाई-10.5 मीटर चौड़ाई, फुटपाथ 1.5-1.5 मीटर के हैं। सूर्य नगर अंडरपास और आरओबी से रोज करीब 40 हजार से अधिक वाहन गुजरेंगे।

पंजाब : टारगेट कीलिंग की फिराक में तीन आरोपी गिरफ्तार, हथियार बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने एसएएस नगर की पुलिस के साथ मिलकर एक संयुक्त ऑपरेशन के दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से दो अवैध पिस्टल और 18 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। आरोपी पंजाब में बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर बताया कि एसएएस नगर पुलिस के साथ संयुक्त ऑपरेशन में एजीटीएफ ने एक संगठित आपराधिक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। जिसे तिहाड़ जेल में बंद मनजीत महल चला रहा था। इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने मनजीत के तीन गुर्गों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड है। तीनों आरोपियों के खिलाफ हरियाणा और दिल्ली में कई मामले दर्ज हैं। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि यह आरोपी अपने हैंडलर मनजीत महल के निर्देश पर राज्य में सनसनीखेज अपराधों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। आरोपियों ने पंजाब में किसी व्यक्ति की टारगेट किलिंग करनी थी। वह हत्या कर पाते, इससे पहले पुलिस ने उसे उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

कांग्रेस चलाएगी संविधान रक्षक अभियान

जयपुर (हिंस)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से 26 नवंबर 2024 से 26 जनवरी 2025 तक संविधान की रक्षा और इसके सिद्धांतों के प्रति पार्टी के समर्पण के लिए 60 दिवसीय संविधान रक्षक अभियान चलाया जाएगा। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं मीडिया प्रभारी स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार सभी जिला कांग्रेस कमेटियों द्वारा संविधान रक्षक अभियान के तहत पांच प्रमुख विषयों पर दस दिवसीय कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिसमें संविधान और समानता की लड़ाई, आरक्षण की रक्षा संविधान की गारंटी, भेदभाव का उन्मूलन-संविधान का मुख्य विषय, गरीबों के संविधान के विरुद्ध पूंजीवादी सरकार तथा लोकतंत्र और संविधान द्वारा गारंटीकृत स्वतंत्रता को बचाओ, अभियान के मुख्य बिंदु होंगे। उन्होंने बताया कि इन विषयों और मुख्य बिंदुओं को जनता के मध्य प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए सभी जिला कांग्रेस कमेटियां अपने-अपने जिलों में रैलियां, घर-घर संपर्क, परिचर्चाओं के माध्यम से अभियान के रूप में प्रमुख कांग्रेसजन तथा संगठन के पदाधिकारी व कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ जनता के बीच जाकर वर्तमान केंद्र सरकार द्वारा उत्पन्न परिस्थितियों को उजागर करेंगी। यह 60 दिवसीय संविधान रक्षक अभियान 26 नवंबर 2024 से दिनांक 26 जनवरी 2025 तक सभी जिला कांग्रेस कमेटियों चलाया जाएगा।

हरियाणा के सभी जिलों में मनाया जाएगा संविधान दिवस

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने मंगलवार को प्रदेश में संविधान दिवस कार्यक्रम आयोजित करने का ऐलान किया है। इस संबंध में प्रदेश के सभी मंत्रियों तथा सांसदों को जिला स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए निर्देश जारी कर दिया गया है। संविधान दिवस के अवसर पर राज्य के सभी स्कूलों में सोमवार को सुलेख व पोस्टर मेकिंग आदि जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हरियाणा के मुख्य सचिव द्वारा सोमवार को प्रदेश के सभी जिला उपायुक्तों, मंडल आयुक्तों व उपमंडल अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। संविधान दिवस की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर जिला स्तर के अलावा उपमंडल, ब्लॉक, पंचायत स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। यहां तक प्रदेश के सभी जिला उपायुक्तों के अलावा उपमंडल अधिकारियों, तहसीलदारों को इन कार्यक्रमों में भाग लेने के निर्देश जारी किए गए हैं। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय सोनीपत, मुख्यमंत्री नायब सैनी कुरुक्षेत्र, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा यमुनानगर, विधानसभा में भाजपा के चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप पंचकूला, कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार कैथल, शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा पानीपत, राज्य सभा सांसद सुभाष बराला फतेहाबाद, सांसद धर्मवीर चरखी-दादरी, वन मंत्री राव नरबीर गुरुग्राम, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी हिसार, विधानसभा के डिप्टी स्पीकर कृष्ण लाल मिड्ढा जींद, खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम पलवल में होने वाले कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगे।

पुलिस ने अवैध हथियारों का जखीरा पकड़ा

जयपुर (हिंस)। मानसरोवर थाना पुलिस ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत अवैध हथियारों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार इंस्टाग्राम आईडी की मदद से अवैध हथियारों की खरीद फरोख्त करता है और स्पा सेंटर में मारपीट व डकैती की वारदात में वांछित चल रहा था। इसके अलावा आरोपी पूर्व में भी अवैध हथियार के प्रकरण में गिरफ्तार हो चुका है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी तस्कर हेमराज मध्य प्रदेश (एमपी) से हथियार लेकर आया था और उसे जयपुर में इसकी डिलीवरी करनी थी। डिलीवरी करने से पहले पुलिस टीम को अवैध हथियारों की जानकारी मिली। इस पर पुलिस टीम बिना समय गवाए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध हथियारों का जखीरा जब्त कर हथियार तस्कर हेमराज सौरोत (20) निवासी खेरली जिला अलवर हाल बस्सी जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान आरोपी के पास से सात पिस्टल मय मैगजीन, एक अतिरिक्त मैगजीन सहित आठ जिन्दा कारतूस बरामद की है। साथ ही आरोपी हेमराज सौरोत से अवैध हथियार के संबंध में गहन पूछताछ की गई तो सामने आया कि वह हथियार हब, हथियार क्लब नाम की इंस्टाग्राम आईडी से इंस्टाग्राम पर सम्पर्क कर मनावर, मध्य प्रदेश से खरीदना सामने आया है तथा सोशल मीडिया/इंस्टाग्राम के मार्फत ही खरीदार तैयार करना बताया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ललित शर्मा ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपी हेमराज सौरोत एक शातिर अपराधी है। जो आजकल अवैध हथियारों की तस्करी करता है तथा मध्यप्रदेश से भारी मात्रा में ऑटोमेटिक पिस्टल खरीदकर ला रहा है। जयपूर शहर में बदमाशों से सम्पर्क कर हथियार सप्लाई देने का प्रयास कर रहा है। इस सूचना के आधार पर बदमाश हेमराज सौरोत की रैकी कर मुखबिर तैयार किए गए। फिर सूचना मिली कि आरोपी हेमराज सौरोत मध्यप्रदेश से भारी मात्रा में हथियार व कारतूस लेकर आया है। जो थाना इलाके में किसी व्यक्ति को हथियार सप्लाई देगा। सूचना के आधार पर आस पास के इलाकों में सादा वस्त्रों में स्पेशल टीम के पुलिसकर्मी लगाए जाकर निगरानी की गई। जिस पर पुलिस ने आरोपी हेमराज सौरोत को गिरफ्तार कर उसके पास से अवैध हथियार बरामद किए गए हैं। पुलिस आरोपी से अवैध हथियार की खरीद फरोख्त के स्त्रोतों के संबंध पूछताछ करने मे जुटी है और साथ ही एक पुलिस टीम हथियार खरीद स्थल मुनावर (मध्यप्रदेश) भेजी गई है जो हथियार खरीद के स्त्रोतों के संबंध में जांच पड़ताल कर रही है।

आरक्षण में वर्गीकरण के लिए जींद में एक दिसंबर को आवाज बुलंद करेंगे ईडब्ल्यूएस

जींद (हिंस)। केंद्र सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर यानि ईडब्ल्यूएस का जो आरक्षण दिया है, उसमें हरियाणा के अंदर वर्गीकरण के लिए एक दिसंबर को जींद की धरा पर बड़ी बिसात बिछने जा रही है। क्योंकि ब्राह्मण, बनिया, पंजाबी और राजपूत समाज के लोग प्रदेश में ईडब्ल्यूएस के लिए अलग से पांच प्रतिशत आरक्षण की मांग बुलंद करने जा रहे है। हरियाणा के अंदर आर्थिक आधार पर इन जातियों को कांग्रेस सरकार में आरक्षण दिलाने वाले अखिल भारतीय ब्राह्मण आरक्षण संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिराम दीक्षित ने कहा कि सरकार से कोटे में कोटा ही मांग रहे है, इसलिए उनकी मांग को लेकर कोई परेशानी नहीं आनी चाहिए। एक दिसंबर को भिवानी बाईपास चौक के नजदीक सुरेंद्र कुमार मैमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग संस्थान के परिसर में इस खास मसले को लेकर आवाज बुलंद होगी। राधेश्याम शर्मा ने कहा कि समारोह में आरक्षण वर्गीकरण की मांग करते हुए ब्राह्मण, बनिया, पंजाबी और राजपूत के लिए अलग से पांच प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान मांगा जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह सरकार ने एससी समाज के कोटे में वर्गीकरण किया है, ऐसे ही ईडब्ल्यूएस में अलग से आरक्षण का

प्रावधान करने की मांग बुलंद की गई है। वर्गीकरण करने में सरकार को कोई परेशानी नहीं आनी चाहिए। क्योंकि यह कोटे में कोटा ही लिया जा रहा है। रहरिराम दीक्षित के प्रयासो स्वरूप हरियाणा में आर्थिक आधार पर आरक्षण मिला था। इस आरक्षण के कारण करीब 10 हजार गरीब युवाओं को रोजगार मिला। इसलिए ईडब्ल्यूएस आरक्षण में अलग से कोटे का प्रावधान करने के लिए हरिराम दीक्षित अलख जगाएं हुए है। इस समरोह में राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा, हरियाणा के जेल एवं सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिढ़ा और उचाना विधायक देवेंद्र अत्री का भव्य अभिनंदन किया जाएगा। इस दौरान आरक्षण कोटे के अलावा दोहलीदार जमीन का पूर्ण तौर से मालिकाना हक देने की मांग भी बुलंद होगी। ब्राह्मण सभा के पूर्व प्रधान रामफूल शर्मा, पार्षद प्रतिनिधि महिपाल कौशिक सहित दर्जनों लोग समारोह का न्यौता देने के लिए दिन-रात एक किए हुए है।

गुरुग्राम : फाइल को डेढ़ माह लंबित रखने पर दो क्लर्क से जवाब तलब

गुरुग्राम (हिंस)। किसी काम को लेकर नगर निगम में लगाई गई फाईल को बेवजह लंबित रखने के मामले को निगमायुक्त ने कड़ा संज्ञान लिया है। उन्होंने इस मामले में दो क्लर्क से जवाबदेही करते हुए स्पष्टीकरण मांगा है। अगर फाईलों को बेवजह लंबित करना पाया गया तो दोनों क्लर्क पर गाज गिरनी तय है। सोमवार को समाधान शिविर में गांव झाड़सा से आई एक शिकायत की सुनवाई करते हुए निगमायुक्त ने मौके पर ही ई-ऑफिस पोर्टल खुलवा कर देखा। इस दौरान पाया कि क्लर्क ने बेवजह अपने पास फाईल को लगभग डेढ़ माह तक लंबित रखा है। इसके साथ ही उन्होंने मौके पर ही राजस्व विभाग के अधिकारियों को भी इस मामले में फटकार लगाई तथा तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए। इसके अलावा चंदन नगर में सीवर ओवरफ्लो से संबंधित शिकायत की सुनवाई करने के दौरान निगमायुक्त ने सहायक अभियंता को

तुरंत ही फोन मिलाया। उन्हें चंदन नगर पहुंचने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जब तक स्थाई समाधान नहीं होता है, तब तक वहां पर अस्थाई समाधान सुनिश्चित किया जाए। निगमायुक्त ने सुशांत लोक-1 व सेक्टर-28 से आए नागरिकों की शिकायतों की सुनवाई करने के दौरान मौके पर उपस्थित चीफ इंजीनियर मनोज यादव से कहा कि वे ड्रेनेज की सफाई से संबंधित टेंडर प्रक्रिया अभी से शुरू करवा दें, ताकि मानसून आने से पूर्व सभी ड्रेनेज की सफाई पूरी कर ली जाए।

भगवान वेद व्यास ने चारों वेदों का संग्रह कर आने वाली पीढ़ी को दिया : योगी आदित्यनाथ

वाराणसी (हिंस)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गंगा पार डोमरी स्थित सतुआबाबा आश्रम में आयोजित शिव महापुराण कथा में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्र और मौजूद लाखों श्रद्धालुओं का अभिनंदन कर खुशी जाहिर की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दृश्य हमारे लिए सनातन धर्म का एक लघु भारत का रूप है और यह हमारी सामाजिक क्षमता का भी प्रतीक है। कौन कहता है कि हम आपस में बंटे हैं, कहां जातिवाद है, कहां संप्रदायवाद है। कहां उपासना विधि का वाद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिवपुराण कथा बाबा भैरवनाथ, काल भैरव भी सुन रहे हैं, मां गंगा और श्रद्धालु भी सुन रहे हैं। यह कथा उन सभी लोगों को जवाब है जो हमें जाति के नाम पर, क्षेत्र के नाम पर, भाषा के नाम पर तमाम बातों के नाम पर बांटते हैं। उनकी आंखों को खोलने के लिए कथा का विहंगम दृश्य काफी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 5000 वर्ष पहले से हम जिस पवित्र पीठ को व्यासपीठ कहते हैं। वह भगवान वेद व्यास की पवित्र परंपरा है। भगवान वेद व्यास ने ही चारों वेदों का संग्रह करके आने वाली पीढ़ी को दिया।

शिष्य की परंपरा वेदों के संरक्षण के लिए कैसे बनी है, इसमें पूरा ज्ञान समाहित है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भावगत महापुराण जैसा ज्ञान, भक्ति और वैराग्य की अद्भुत त्रिवेणी का महापुराण है। मुक्ति और जीवन की सफलता का रहस्य, इन पुराणों में छिपा हुआ है। यह सब भगवान वेदव्यास ने ही हमें दिया। पुराणों की रचना कैसे की जानी चाहिए, उन्होंने इसकी शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी श्रद्धालु होते हैं परम भक्त होते हैं। परम भक्त की सबसे बड़ी पहचान क्या है वह अनुशासित होता है। जिसकी आत्मा अनुशासन है, उसका भौतिक द्रव्यों पर भी अनुशासन होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम तो सब एक होकर इस पावन कथा के माध्यम से एक उदाहरण सबके सामने प्रस्तुत कर रहे हैं। एकदम सामने बाबा विश्वनाथ का धाम है, मां गंगा का सानिध्य। सतुआ बाबा ने ऐसा स्थल चयन किया कि एक साथ बाबा के भी दर्शन हो और मां गंगा के भी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पौराणिक कथाओं से राष्ट्रीय एकता व राष्ट्रधर्म को मजबूती मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज कुंभ के पहले काशी की धरती पर कथा के माध्यम से कुंभ का दर्शन हो रहा है। प्रयागराज की पावन धरती पर 13 जनवरी से 26 फरवरी (पौष पूर्णिमा से महाशिवरात्रि) तक दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक व सामाजिक समागम *महाकुंभ-2025* का आयोजन होने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि गत माह पं. प्रदीप मिश्र की कथा हापुड़ में होने वाली थी, लेकिन प्रशासन ने अचानक आयोजन को निरस्त कर दिया। शाम को जानकारी मिलने पर मैंने पूछा कि ऐसा क्यों किया गया, बताया गया कि भीड़ ज्यादा हो सकती है। मैंने कहा कि उनकी कथा की चर्चा ही इस बात के लिए होती है कि वहां हजारों में नहीं, बल्कि लाखों में गिनती होती है और वे सभी श्रद्धालु-परमभक्त होते हैं।

ललन सिंह के बयान पर सत्तापक्ष-विपक्ष में सदन के बाहर तकरार

पटना (हिंस)। बिहार विधानमंडल सत्र के एक दिन पूर्व मुजफ्फरपुर में एक सभा में केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा था कि अल्पसंख्यक समाज जदयू को वोट नहीं देता। उनका बयान आने के बाद बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सदन के बाहर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर तकरार हुई। सत्ता पक्ष ने जहां ललन सिंह के बयान पर सफाई दी देते हुए ललन सिंह का बचाव किया, वहीं विपक्ष ने इसकी निंदा की। ललन सिंह ने भी अपने बयान पर सफाई भी दे दी है। प्रदेश सरकार में भवन निर्माण मंत्री डॉ. अशोक चौधरी ने कहा कि ललन सिंह के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है, ताकि लोगों में भ्रम की स्थिति बनी रहे। ललन सिंह के कहने का अर्थ यह है कि हमने मुसलमानों के लिए जितना काम किया, उस हिसाब से जदयू को वोट नहीं मिल रहा है, इसका हमें दर्द है।

दुर्घटना में मौत के शिकार मजदूरों के बच्चों को डीएम ने दिया हर संभव मदद का आश्वासन

नवादा (हिंस)। नवादा के स्टालिन नगर से ईंट भट्ठों पर काम करने जा रहे मजदूरों से भरी गाड़ी सिरनामा पुल के निकट वेना थाना जिला नालंदा में दुर्घटना ग्रस्त हो गयी थी, जिसमें दो मजदूर एवं एक दो साल की बच्ची की मौत हो गयी थी एवं कुछ लोग घायल हो गए थे, जिसकी सूचना मिलते ही सोमवार को जिलाधिकारी रवि प्रकाश ने मजदूर के घर जाकर उसके छोटे-छोटे बच्चों को प्यार किया और हर स्तर की मदद देने का भरोसा दिलाया । उस समय वहां कारुणिक दृश्य देखने को मिला। जब डीएम जमीन पर बैठकर सर से पिता के साया उठ चुका मजदूरों के बच्चो को ममता की छांव दी। उन्होंने पीड़ित परिवारों से कहा कि यह बहुत ही दुखद घटना है। जिला प्रशासन आपलोगों की दु:ख में संवेदनशीलता के साथ खड़ी है। जिला प्रशासन की तरफ से आपलोगों को हर संभव मदद किया जाएगा। उन्होंने वहां के लोगों से

सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि के बारे में विस्तृत जानकारी ली। जिला पदाधिकारी ने मनरेगा के तहत कितने लोगों को अबतक जॉब कार्ड मिला है, कितने भूमिहीन लोगों को बन्दोवस्ती की गयी है एवं इंदिरा आवास योजना से कितने लोग लाभान्वित हैं। इस बारे में फिडबैक प्राप्त किया गया। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार की योजनाओं के तहत पीड़ित परिवारों को लाभ दिया जाएगा। श्रम अधीक्षक को निर्देश दिया गया कि श्रम विभाग के द्वारा पीड़ित परिवारों के लिए बिहार शताब्दी योजना एवं अन्य लाभ देना सुनिश्चित करेंगे। जिला कल्याण पदाधिकारी को भी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए निर्देश दिया गया कि। साथ ही अन्य संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि अपने-अपने विभाग की योजनाओं का लाभ प्रभावित परिवारों तक पहुंचना सुनिक्षित करें। स्टालिन नगर में राशन कार्ड बनाने के लिए शिविर लगाया गया, आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु शिविर लगाया गया है एवं जिला पदाधिकारी के निदेशानुसार प्रभावित परिवारों को चिकित्सा सुविधा दी जा रही है। जिलाधिकारी ने समाज के प्रबुद्ध लोगों से आग्रह किया कि इन मजदूरों के पलायन को रोकने एवं उनके बच्चों की शिक्षा हेतु जागरूक करने का प्रयास करें।

NO.E.320595/779

NOTIFICATION FOR WALK-IN-INTERVIEW

Eligible and qualified candidates having valid employment exchange registration card of Assam and fulfilling the norms stated below are invited to appear for a Walk-in-Interview for the following posts purely on temporary and contractual basis. Interested candidates must submit the photocopies of relevant documents and 3 (three) recent self attested passport size photographs with duly filled up Standard Application Format (hard copies) to the Director of Information & Public Relations, Assam, Dispur, Last Gate, Guwahati-06 before 12 Noon of 11th December, 2024. The standard Application Format is available in the **DIPR's website at https://dipr.assam.gov.in.** The candidate should report to the Deputy Director (Establishment Branch), Directorate of Information & Public Relations, Assam, Dispur, Last Gate, Guwahati-06 for the Walk-in-interview (both viva-voce & practical) on 17th December, 2024 at 10.00 AM. The applicant must bring with them the original documents while coming for the interview. If the interview cannot be completed on 17th December, 2024, it will continue on the next working day.

The engagement period will depend on the basis of requirement and availability of fund.

1. Name of Contractual post : 2 (two) posts of Hindi Translator-cum-Content Writer.
2. Job Description : Translation of any matter from Assamese and English into Hindi and vice versa besides proficiency in writing original content in Hindi.
3. Educational qualification :
   a) Minimum educational qualification of the candidate shall be Graduate in any discipline from any University recognised by the Government. Master Degree in Hindi /Praveen will be given preference.
   b) The candidate must also possess a minimum 1 (one) year Diploma in Computer application from a recognised Institution/Organisation. Thorough knowledge of DTP in Hindi, English & Assamese, Unicode Inscript version, Microsoft Office (Power point, Word, Excel) knowledge of Internet browsing compulsory.
   c) The candidate must also possess Diploma in Translation Course from English to Hindi and vice versa from any Govt. recognized institution/organization.
   d) The candidate must have knowledge of translation from Assamese to Hindi and vice versa.
4. Remuneration : Fixed remuneration @ Rs. 31,000/- (Rupees Thirty Thousand) only per month.
5. Age limit : 18 to 38 years of age on the 1* day of January, 2024. The upper age limit is relaxable by 5 years for SC/ST (P)/ST(H) and 3 years for OBC/MOBC
6. Process of selection : Through Viva-voce and Practical test.
7. Documents required :
   i. Educational qualification certificates.
   ii. Diploma in Translation Course in Hindi from any Govt. recognized institution/organization.
   iii. 1 (one) year Diploma in Computer application.
   iv. Age proof certificate.
   v. Valid employment exchange registration card.(hard copy)
   vi. Previous 3 years minimum experience of translation work from any Govt. Deptt or organisation.

N.B. No TA/DA will be paid to the candidates. The Selection Committee reserves the right to cancel/postpone the said interview without assigning any reason thereof.

-- Janasanyog /D/ 9222/24/26-Nov-24

Director of Information and Public Relations, assam, Dispur, Guwahati-6

पेटीएम ने यूपीआई लाइट के लिए स्वचालित टॉप-अप सुविधा की शुरुआत की

यूजर्स पहले से तय यूपीआई लाइट बैलेंस को ऑटो-मैटिक रूप से कर सकेंगे रिचार्ज

नई दिल्ली

देश में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) की बढ़ती मांग और इस्तेमाल के बीच डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म पेटीएम ने यूपीआई लाइट ऑटो टॉप-अप फीचर लॉन्च किया है। इस नए फीचर्स के जरिए यूजर्स बिना पिन के भी यूपीआई पेमेंट का लाभ उठा सकेंगे। पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसिएल) ने सोमवार को 'एक्स' पोस्ट पर दी जानकारी में बताया कि नई सुविधा की मदद से पेटीएम यूपीआई लाइट का इस्तेमाल करने वाले ग्राहक अब पहले से तय यूपीआई लाइट बैलेंस को ऑटो-मैटिक रूप से रिचार्ज कर सकेंगे और बिना पिन के 500 रुपये तक के छोटे अमाउंट वाले पेमेंट निर्बाध्य रूप से कर सकेंगे जबकि पेटीएम यूपीआई लाइट की डेली पेमेंट लिमिट 2000 रुपये है। कंपनी के मुताबिक पेटीएम यूपीआई लाइट के जरिए अब ग्राहक ग्रॉसरी स्टोर पर भुगतान, ट्रांसपोर्ट के लिए पेमेंट और छोटे बिल पेमेंट के लिए बिना पिन के भी ट्रांजेक्शन कर सकते हैं। इसके अलावा नए फीचर के जरिए पेटीएम यूपीआई लाइट यूजर्स अपने अकाउंट में एक लिमिट भी सेट कर सकते हैं, जिसके कम होने पर आपका पेटीएम अकाउंट ऑटोमेटिकली रिचार्ज हो जाएगा। ऐसे बिना पिन के आपके अकाउंट में पैसे आ जाएंगे। उल्लेखनीय है कि पेटीएम यूपीआई लाइट ऑटो टॉप-अप सुविधा चुनिंदा उपयोगकर्ताओं के लिए यस बैंक और एक्सिस बैंक उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। यूपीआई लाइट बैलेंस के पूर्व निर्धारित सीमा से कम होने पर स्वचालित रूप से रिचार्ज हो जाता है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल का व्यापार घाटा 460 अरब के पार

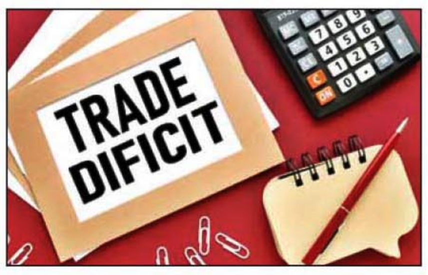

काठमांडू। नेपाल का व्यापार घाटा चालू वित्त वर्ष के पहले चार माह में 460 अरब रुपये से अधिक हो गया है। सीमा शुल्क विभाग के आंकड़ों के अनुसार नेपाल ने चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों के दौरान 513.38 अरब रुपये के सामान का आयात किया, जबकि निर्यात केवल 52.67 अरब रुपये तक ही रहा। विभाग के अनुसार नेपाल ने चार महीनों में कुल 566.5 अरब रुपये के विदेशी व्यापार में 460.71 अरब रुपये का व्यापार घाटा देखा। आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में आयात 0.17 प्रतिशत बढ़ा, जबकि निर्यात में 4.16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में नेपाल का भारत के साथ व्यापार घाटा 281 अरब रुपये को पार कर गया है। इस अवधि के दौरान नेपाल ने भारत से करीब 317 अरब रुपये का सामान आयात किया, जबकि उसने भारत को सिर्फ 36 अरब रुपये का सामान निर्यात किया। इन चार महीनों में नेपाल ने 29.4 अरब रुपये का डीजल, 21.56 अरब रुपये का पेट्रोल और 18.85 अरब रुपये का एलपीजी आयात किया।

भारत और नॉर्वे के बीच टेपा समझौते पर हुई चर्चा, व्यापारिक संबंधों को और प्रगति देने की योजना बनाई

नई दिल्ली। भारत के वाणिज्य सचिव सुनील भार्थवाल ने हाल ही में नॉर्वे का दौरा किया। उनका यह दौरा भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ ईएफटीए देशों के साथ व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता (टेपा) लागू करने में तेजी लाने और 100 अरब डॉलर के निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से था। भार्थवाल का नॉर्वे दौरा भारत और ईएफटीए देशों के बीच टेपा समझौते को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए था। इस समझौते के तहत, भारत को ईएफटीए देशों के बाजारों में अपने उत्पादों और सेवाओं के निर्यात के लिए 99.6 प्रतिशत बाजार का अधिकार मिलेगा। इसमें गैर-कृषि उत्पादों और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों पर महत्वपूर्ण टैक्स छूट दी जाएगी। भारत ने ईएफटीए देशों को 82.7 प्रतिशत अपनी टैक्स लाइनों की पेशकश की है, जो ईएफटीए के निर्यात का 95.3 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। भारत ने ईएफटीए के लिए 105 उप-क्षेत्रों की पेशकश की है, जबकि नॉर्वे ने 114 क्षेत्रों में प्रतिबद्धता की है। भार्थवाल ने नॉर्वे में टॉमस नॉर्वोल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इन बैठकों में मुख्य रूप से व्यापार संबंधों को बढ़ावा देना भारतीय निर्यात को प्रोत्साहन देना, और टेपा के अनुमोदन में तेजी लाने के मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके अलावा वाणिज्य सचिव ने नॉर्वेजियन संसद के सदस्यों से भी मुलाकात की और समझौते के संभावित लाभों पर जोर दिया।

अमेरिकी चुनाव के परिणाम ने बढ़ाई बिटकॉइन की चमक, 2011 में जिस निवेशक ने 100 रुपये लगाया वह है 1.65 करोड़ का मालिक

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम आने के बाद दुनिया भर में क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की चर्चा में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इलेक्शन रिजल्ट्स के बाद से ही बिटकॉइन की कीमत में जोरदार उछाल देखा जा रहा है। साल 2011 को जब बिटकॉइन की कीमत केवल 1 डॉलर थी, यह क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ने वाले एक निवेशक ने सिर्फ 100 रुपये निवेश किए थे, जिसका वर्तमान मूल्य लगभग 1.65 करोड़ रुपये है7 बिटकॉइन का सफर साल 2009 में शुरू हुआ था और साल 2024 में इसकी कीमत 1 करोड़ रुपये के आसपास पहुंच चुकी है। 24 नवंबर को बिटकॉइन की कीमत 97,654.9 डॉलर (लगभग 82.43 लाख रुपये) थी। इस चौंकाने वाली बढ़ोतरी के साथ बिटकॉइन ने महामारी के समय में भी दिखाया कि यह एक सुरक्षित निवेश हो सकता है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट की सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर मजबूती का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी बनी रही। डाउ जॉन्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच कर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,969.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा नैस्डेक ने 0.20 प्रतिशत उछल कर 19,010.89 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 237.98 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 44,534.49 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 112.81 अंक यानी 1.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,262.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,255.01 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 176.42 अंक यानी 0.91 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,322.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,133.12 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.36 प्रतिशत टूट कर 3,255.39 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 245 अंक यानी 1.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,287.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,756.78 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 127.23 अंक यानी 1.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,322.80 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,535.77 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 418.62 अंक यानी 1.09 प्रतिशत उछल कर 38,702.47 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,991.99 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,451.38 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

अदाणी समूह ने अपनी पोर्टफोलियो कंपनियों के वित्तीय और ऋण विवरण जारी किए

अदाणी समूह की कंपनियों ने बंदरगाहों से लेकर ऊर्जा तक के कारोबार में निवेश को बढ़ावा दिया

नई दिल्ली

गौतम अदाणी के समूह ने निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। उन्होंने सोमवार को अपनी पोर्टफोलियो कंपनियों के वित्तीय और ऋण विवरण जारी किए। इस घोषणा के माध्यम से कंपनी ने अपने मजबूत मुनाफे और नकदी प्रवाह की बढ़त को दर्शाया। अदाणी समूह के कंपनियों ने बंदरगाहों से लेकर ऊर्जा तक के कारोबार में निवेश को बढ़ावा दिया है। कंपनी के अनुसार वे अब अपनी विकास की गति को बनाए रख सकते हैं बिना ऋण पर निर्भर होने की दरकार। हाल ही में गौतम अदाणी और दो अन्य अधिकारियों के खिलाफ अमेरिकी अदालत में सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप है।

समूह की कुल संपत्ति में इक्विटी का योगदान करीब दो तिहाई है, जो पांच साल पहले की तुलना में काफी अलग है। समूह ने पिछले 12 महीनों में करीब 75,227 करोड़ रुपये का निवेश किया, जबकि कुल कर्ज में सिर्फ 16,882 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। अदाणी समूह ने अपने निवेशकों के साथ एक नोट भी साझा किया है, जिसमें कहा गया है कि वे कम से कम 12 महीनों के लिए सभी ऋण सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त तरलता रखते हैं। अदाणी समूह की लिक्विडिटी से जुड़े एक नोट में कहा गया है कि उनके पास 53,024 करोड़ रुपये की नकदी है, जो इसके कुल सकल बकाया ऋण का 21 प्रतिशत है। समूह ने अगले 10 वर्षों में 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने की योजना बनाई है और उनकी लाभदायकता में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए धारिता की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है।

सोलरवर्ल्ड एनर्जी ने आईपीओ से पहले जुटाए 110 करोड़

नई दिल्ली

सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस ने वैल्यूक्वेस्ट इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स सहित कई निवेशकों से आईपीओ से पहले करीब 110 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसके साथ ही कंपनी के निर्धारित आईपीओ के नए निर्गम घटक को पहले अनुमानित 550 करोड़ रुपये से घटाकर 440 करोड़ रुपये कर दिया गया है। सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता ने पिछले सप्ताह सार्वजनिक घोषणा में कहा कि उसने हाल ही में निवेशकों को 352.05 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 31.24 लाख शेयर आवंटित किए हैं, जिससे लेनदेन का कुल आकार 109.99 करोड़ रुपये हो गया। सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण सेवाओं में विशेषज्ञता रखती है।

मुंबई समेत कई शहरों में सीएनजी की कीमत में दो रुपये का इजाफा, दिल्ली को फिलहाल राहत

मुंबई/नई दिल्ली

मुंबई सहित देश के कई शहरों में विधानसभा चुनाव खत्म होते ही महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) और इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) के कीमतों में 2 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा किया है, लेकिन चुनावी राज्य दिल्ली में उपभोक्ताओं को फिलहाल इससे छूट दी गई है। नई दरें लागू हो गई हैं।

महानगर गैस लिमिटेड की वेबसाट के मुताबिक मुंबई में सीएनजी की कीमत में 2 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी के बाद इसकी कीमत 75 रुपये प्रति किलोग्राम से 77 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। आईजीएल और एमजीएल ने सीएनजी की कीमत में इजाफा सरकार के 16 नवंबर से पुरानी गैस फील्ड से मिलने वाली सस्ती प्राकृतिक गैस की सप्लाई में 20 फीसदी की कटौती करने के बाद की गई है।

इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में सीएनजी की कीमत 75.09 रुपये प्रति किलोग्राम पर अपरिवर्तित बनी हुई हैं लेकन नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में इसकी कीमतें 2 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़कर 81.70 रुपये और गुरुग्राम में 82.12 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं। इससे पहले 2022 में आईजीएल ने दिल्ली सहित अन्य शहरों में सीएनजी की कीमतों में संशोधन किया था।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, फीकी पड़ी सोने और चांदी की चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 79,780 रुपये से लेकर 79,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,140 रुपये से लेकर 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है।

सोने की तरह चांदी के भाव में भी कमजोरी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 79,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 79,630 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 79,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,680 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी गिरावट आने के कारण सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 79,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कुश्ती प्रतियोगिता में छाई बेटियां, मुरादाबाद की बेटियों को चार गोल्ड

मुरादाबाद

उप्र खेल निदेशालय एवं उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के समन्वय से राज्य स्तरीय सब जूनियर बालिका कुश्ती प्रतियोगिता के सोमवार को विभिन्न भार वर्ग के फाइनल मुकाबले सोनकपुर स्टेडियम में खेले गए। एक के बाद एक खिलाड़ियों ने अपने दांव से प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को चित किया। प्रतियोगिता में मेजबान टीम की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन कर पांच पदक अपने नाम किए। इसमें वैष्णवी, पलक आयुषी और तराना ने स्वर्ण पदक हासिल किया। तो वहीं अंजलि ने कांस्य पदक अपने नाम किया। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया अग्रवाल ने विजेता बेटियों को मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी नरेश चंद यादव, उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव डा. अजय पाठक, पवन सिसोदिया आदि मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव डा. अजय पाठक ने बताया कि कुश्ती में मुरादाबाद मंडल की बेटियां चार गोल्ड और एक ब्रांज मेडल जीतकर चौंपियन बन गईं। बेटियों ने 43, 61, 69 व 73 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड और 65 किलोग्राम भार वर्ग में ब्रांज मेडल जीता। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दूसरे मंडलों की बेटियों ने भी गोल्ड, सिल्वर व ब्रांज मेडल जीतकर अपने मंडल का नाम रोशन किया।

फ्रीस्टाइल कुश्ती में आगरा, झांसी, वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, अलीगढ़, बरेली, अयोध्या, गोरखपुर, आजमगढ़, मेरठ, देवीपाटन, चित्रकूट धाम, सहारनपुर, मिर्जापुर और मुरादाबाद के टीमों के 140 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। 43 किलोग्राम भार वर्ग में मुरादाबाद मंडल की वैष्णवी ने प्रथम, रहीं।

न्यूज ब्रीफ

श्याम ने की शानदार गेंदबाजी, एसएमआर ने जीता मैच

लखनऊ। बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के सी डीविजन में एसएमआर क्रिकेट क्लब ने एसएस क्रिकेट क्लब को 23 रन से हरा दिया। इस मैच में श्याम कुमार विश्वकर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए छह विकेट झटके। एसएमआर क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 225 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज तुषार वर्मा मात्र 19 रन बनाकर आउट हो गये। अपनी टीम में सबसे अधिक अर्जुन यादव ने 63 रन का योगदान दिया। शिवांश तिवारी ने 43 रन बनाये, जबकि सुशील सिंह ने 36 रन का योगदान दिया। वहीं एस.एस. क्रिकेट क्लब की टीम 192 रन ही बना सकी और एसएमआर ने 23 रन से मैच को जीत लिया। एसएस क्रिकेट क्लब के सलामी बल्लेबाज मनीष यादव ने 24 रन का योगदान दिया। वहीं ओम ठाकुर ने अपनी टीम में सर्वाधिक 62 रन बनाये। वहीं हिमांशु ने 41 रन बनाये।

लीसेस्टर सिटी ने कोच कूपर को बर्खास्त किया

लंदन। लीसेस्टर सिटी ने रविवार को कोच स्टीव कूपर को सिर्फ 12 मैच के बाद बर्खास्त कर दिया। लीसेस्टर ने कूपर के 12 मैचों में से दो जीते, चार ड्रॉ खेले और छह हारे। नॉटिंघम फॉरेस्ट के पूर्व बॉस ने हाल ही में पदोन्नत क्लब को प्रीमियर लीग में 16वें स्थान पर रखा है, शनिवार को चेल्सी से घरेलू मैदान पर 2-1 से हार के बाद, जिसे अब एन्जो मारेस्का द्वारा कोचिंग दी जा रही है, कूपर को बर्खास्त कर दिया गया। मारेस्का के जाने के बाद कूपर को स्टैमफोर्ड ब्रिज में पदभार संभालने के लिए नियुक्त किया गया था, जिसमें लीसेस्टर को बचाने का कठिन काम था, और वह टीम को रिलीगेशन जोन से बाहर बैठाकर चले गए। लीसेस्टर के बयान में कहा गया, पुरुषों की प्रथम टीम के प्रशिक्षण की देखरेख प्रथम टीम के कोच बेन डावसन करेंगे, जिन्हें कोच डैनी एल्कॉक और एंडी ह्यूजेस का सहयोग प्राप्त होगा, क्लब एक नए मैनेजर की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर रहा है, जिसे हम जल्द से जल्द पूरा करने की उम्मीद करते हैं।

आईएसएलः ओडिशा एफसी की मेजबानी करेगी हैदराबाद एफसी

हैदराबाद। हैदराबाद एफसी जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में ओडिशा एफसी की मेजबानी करेगी, तो दोनों टीमें अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के बाद इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में जीत पाना चाहेंगी। पिछले साल खराब सीजन के बाद, हैदराबाद एफसी इस बार सात मैचों में दो जीत, एक ड्रा और चार हार से सात अंक लेकर तालिका में 11वें स्थान पर हैं। उसका इरादा जीत से उच्च रैंक वाले प्रतिद्वंद्वियों के साथ अंतर पाटना होगा। वहीं, ओडिशा एफसी आठ मैचों में दो जीत, तीन ड्रा और तीन हार नौ अंक लेकर तालिका नौवें स्थान पर है। हेड कोच सर्जियो लोबेरा इस लीग में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी रणनीतिकारों में से एक रहे हैं, इसलिए वह जगरनॉट्स से लगातार बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे। हैदराबाद एफसी ने आईएसएल 2024-25 में खेले अपने मैचों के शुरुआती 15 मिनट में अपने 43त्र गोल किए हैं, जिसमें से अब तक उनके सात में से तीन गोल मैच की इस अवधि में आए हैं। हैदराबाद एफसी ने अपने घरेलू मैदान पर खेले पिछले 15 मैचों में जीत दर्ज नहीं की है। वास्तव में, यहां उनकी आखिरी जीत फरवरी 2023 में मोहन बागान सुपर जायंट के खिलाफ 1-0 से हुई थी। ओडिशा एफसी ने आईएसएल 2024-25 में प्रति मैच 10+ ओपन प्ले पास के आठ सीक्वेंस दर्ज किए हैं। यह किसी भी टीम का सबसे अधिक औसत है। मोर्टाडा फॉल और कार्लोस डेलगाडो जैसे अनुभवी सेंट्रल डिफेंडर होने के बावजूद, ओडिशा एफसी आईएसएल 2024-25 में अब तक खेले अपने आठ मैचों में कोई क्लीन शीट नहीं रख पाई है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

पर्थ टेस्ट में भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत, ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हराया

पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बनाई बढ़त

पर्थ

भारतीय क्रिकेट टीम ने पर्थ में खेले जा रहे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। 534 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही ऑस्ट्रेलियाई टीम चौथे दिन 238 रनों पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में ट्रैविस हेड ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेलते हुए 89 रन बनाए। उनके अलावा मिचेल मॉर्श ने 47 और एलेक्स कैरी ने 36 रन बनाए।

भारतीय टीम ने हासिल की खास उपलब्धि – इस जीत के साथ ही भारतीय टीम पहली पारी में केवल 150 (या उससे कम) स्कोर करने के बावजूद बड़े अंतर से जीतने वाली केवल दूसरी टीम बन गई है। इससे पहले 1991 में ब्रिजटाउन टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वेस्टइंडीज ने 343 रनों से जीत हासिल की थी, जहां उन्होंने अपनी पहली पारी में केवल 149 रन बनाए थे।

जसप्रीत बुमराह को मिला प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार – कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह प्लेयर ऑफ द मैच रहे, जिन्होंने आठ विकेट लिए, जिसमें पहली पारी में लिए गए महत्वपूर्ण पांच विकेट भी शामिल थे।

मैच रिपोर्ट– भारतीय टीम ने पहली पारी में 150 रन बनाए थे। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 104 रन पर सिमट गई थी। भारत को दूसरी पारी में 46 रन की बढ़त मिली थी। दूसरी पारी में भारत ने 6 विकेट के नुकसान पर 487 रन बनाकर पारी घोषित कर दी है। इस लिहाज से भारतीय टीम की कुल बढ़त 533 रन की हुई और ऑस्ट्रेलिया को 534 रन का लक्ष्य मिला।

534 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही और केवल 17 रनों के स्कोर पर नाथन मेकस्विनी (00), पैट कमिंस (02), मार्नश लाबुशेन (03) और उस्मान ख्वाजा (04) पवेलियन लौट गए। यहां से स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड ने पांचवे विकेट के लिए 62 रनों की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया के मैच में वापसी दिलाने की कोशिश की। हालांकि 79 के कुल स्कोर पर मोहम्मद सिराज ने स्मिथ को विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराकर उनकी कोशिशों पर पानी फेर दिया। स्मिथ ने 17 रन बनाए।

मॉर्श और हेड ने ऑस्ट्रेलियाई पारी को संभाला – दूसरी तरफ से शानदार बल्लेबाजी कर रहे हेड ने इसके बाद अपना अर्धशतक पूरा किया। हेड को मॉर्श का अच्छा साथ मिला और दोनों ने छठे विकेट के लिए 82 रन जोड़े। 161 के कुल स्कोर पर जसप्रीत बुमराह ने हेड को पंत के हाथों कैच कराकर यह साझेदारी तोड़ी। हेड ने 101 गेंदों पर 89 रन बनाए। 182 के कुल स्कोर पर नीतीश रेड्डी ने मॉर्श को बोल्ड कर ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका दिया। मॉर्श ने 47 रन बनाए।

यहां से एलेक्स कैरी और मिचेल स्टॉर्क ने मिलकर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 225 के पार पहुंचाया। 227 के कुल स्कोर पर वाशिंगटन सुंदर ने स्टॉर्क (12) को आउट कर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। इसी ओवर में सुंदर ने नाथन लियोन (00) को बोल्ड कर मैच में अपना दूसरा विकेट लिया। हर्षित राणा ने 238 के कुल स्कोर पर एलेक्स कैरी (36) को बोल्ड कर भारत को ऐतिहासिक जीत दिला दी।

दूसरी पारी में भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने और मोहम्मद सिराज ने 3-3, वाशिंगटन सुंदर ने 2, नीतीश रेड्डी और हर्षित राणा ने 1-1 विकेट लिया।

भारत ने दूसरी पारी 6 विकेट पर 487 रन बनाकर घोषित की, जायसवाल, कोहली का शतक – इससे पहले भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी 6 विकेट पर 487 रन बनाकर घोषित कर दी। दूसरी पारी में भारत के लिए यशस्वी जायसवाल ने 161 रनों की बेहतरी शतकीय पारी खेली। जायसवाल के अलावा विराट कोहली (100) ने भी नाबाद शतकीय पारी खेली, जो उनके करियर का 30वां टेस्ट शतक था। इन दोनों के अलावा केएल राहुल ने बेहतरीन अर्धशतक लगाते हुए 77 रन बनाए। वहीं वाशिंगटन सुंदर ने 29 और नीतीश रेड्डी ने 27 गेंदों पर 38 रनों की तेज नाबाद पारी खेली।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन लियोन ने 2, मिचेल स्टॉर्क, जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और मिचेल मॉर्श ने 1-1 विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 104 रनों पर सिमटी– इससे पहले जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 104 रनों पर समेट दिया। बुमराह ने 5 विकेट लिए। इसी के साथ पहली पारी के आधार पर भारत को 46 रनों की बढ़त मिली गई है। भारतीय टीम पहली पारी में केवल 150 रनों पर सिमट गई थी। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टॉर्क ने सर्वाधिक 26 रन बनाए। स्टॉर्क के अलावा एलेक्स कैरी ने 21, ट्रैविस हेड ने 11 और मेकस्विनी ने 10 रन बनाए। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 5, हर्षित राणा ने 3 और मोहम्मद सिराज ने 2 विकेट लिए।

भारत ने पहली पारी में बनाए 150 रन– मैच में भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारतीय बल्लेबाजों ने एक बार फिर निराश किया और पूरी टीम केवल 150 रनों पर सिमट गई। भारत की तरफ से नीतीश रेड्डी ने सर्वाधिक 41 रन बनाए। नीतीश के अलावा ऋषभ पंत ने 37 और केएल राहुल ने 26 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से जोश हेजलवुड ने 4, मिचेल स्टॉर्क, पैट कमिंस और मिचेल मॉर्श ने 2-2 विकेट लिए।

नाइजीरिया के खिलाफ केवल 7 रन पर ऑल आउट हुई आइवरी कोस्ट की टीम, 264 रन से हारी मैच

नई दिल्ली

आइवरी कोस्ट ने पुरुषों के टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में न्यूनतम स्कोर का रिकॉर्ड दर्ज कर लिया है। रविवार को लागोस में आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप उप-क्षेत्रीय अफ्रीका क्वालीफायर ग्रुप सी के मैच में आइवरी कोस्ट की टीम नाइजीरिया के खिलाफ मात्र 7 रन पर सिमट गई और टीम को 264 रन की हार झेलनी पड़ी।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नाइजीरिया ने प्लेयर-ऑफ़-द-मैच सेलिम सलाउ की 53 गेंदों में 112 रन की पारी (रिटायर्ड आउट) और सुलेमान रनसेवे (29 गेंदों में 50 रन) और इसाक ओक्पे (23 गेंदों में 65* रन) के अर्धशतकों की बदौलत 4 विकेट पर 271 रन बनाए। जवाब में नाइजीरिया के बाएं हाथ के स्पिनर इसाक डानलाडी और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज प्रॉस्पर उसेनी ने तीन-तीन विकेट लिए, दाएं हाथ के तेज गेंदबाज पीटर अहो ने दो और सिल्वेस्टर ओक्पे ने एक विकेट लिया, जबकि एक बल्लेबाज रन आउट हुआ, जिससे आइवरी कोस्ट 7.3 ओवर में ऑल आउट हो गई। ओपनर ओउटारा मोहम्मद छह गेंदों में 4 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। आइवरी कोस्ट बल्लेबाजों के स्कोर 4, 0, 1, 0, 0, 1, 0, 1, 0, 0*, 0, थे। पुरुषों के टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में एकल अंक का स्कोर बनाने वाली टीम का यह पहला उदाहरण था, और इसने इस प्रारूप में सबसे कम स्कोर, 10 ऑल आउट, को पीछे छोड़ दिया, जो दो बार (इस साल सितंबर में मंगोलिया बनाम सिंगापुर और पिछले साल आइल ऑफ मैन बनाम स्पेन) दर्ज किया गया था। नाइजीरिया की 264 रनों की जीत ने पुरुष टी20आई में सबसे बड़े अंतर से जीत की सूची में भी तीसरा स्थान हासिल किया। पिछले महीने जिम्बाब्वे ने गाम्बिया को 290 रनों से हराया था, जिसके बाद नेपाल ने सितंबर 2023 में हांग्जो में एशियाई खेलों में मंगोलिया पर 273 रनों से जीत दर्ज की थी। यह जीत नाइजीरिया की ग्रुप में इतने ही मैचों में दूसरी जीत थी, और आइवरी कोस्ट की इतने ही मैचों में दूसरी हार थी - वे अपने पहले मैच में सिएरा लियोन के खिलाफ 21 रन पर आउट हो गए थे और 168 रनों से हारे थे। नाइजीरिया छह टीमों की तालिका में शीर्ष पर है, जबकि आइवरी कोस्ट सबसे नीचे है।

मुम्बई इंडियंस के लिए खेलने के बाद सिपाही का बेटा अब राजस्थान रॉयल्स में

झांसी

उत्तर प्रदेश पुलिस के जवान का लाल तीन साल आईपीएल में मुंबई इंडियन के लिए खेलने के बाद अब राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलेंगे। क्रिकेटर कुमार कार्तिकेय को अब राजस्थान रॉयल्स टीम ने खरीद लिया है। आईपीएल 2025 की दो दिवसीय लगने वाली बोली में पहले दिन उत्तर प्रदेश के मूल रूप से सुलतानपुर निवासी खिलाड़ी कुमार कार्तिकेय को राजस्थान रॉयल्स में तीस लाख रुपये में खरीदा है। कुमार कार्तिकेय इसके पूर्व वर्ष 2022, 2023 व 2024 में मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहे थे। कुमार कार्तिकेय एक अच्छे गेंदबाज के रूप में आईपीएल में एंट्री की थी। गौरतलब है कि कुमार कार्तिकेय के पिता उत्तर प्रदेश पुलिस में जनपद झांसी में पुलिस लाइन में हेड कांस्टेबल के पद पर कार्यरत हैं, वह पुलिस लाइन में ही सरकारी आवास में परिवार के साथ रहते हैं। उनके बेटे पहली बार आईपीएल में पहुंचे थे। तब जनपद झांसी में तैनात एसएसपी शिवहरि मीना ने उसे उत्तर प्रदेश पुलिस का मान बढ़ाने वाली बात मानते हुए सम्मानित किया था। कुमार कार्तिकेय अब अपनी गेंदबाजी की धार से राजस्थान रॉयल्स को चमकाने के लिए तैयार हैं।

डब्ल्यूबीबीएल : मेलबर्न स्टार्स ने कोच जोनाथन बैटी से नाता तोड़ा

मेलबर्न

महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) टीम मेलबर्न स्टार्स ने एक और सत्र में फाइनल में जगह बनाने में असफल रहने के बाद कोच जोनाथन बैटी से नाता तोड़ लिया है। स्टार्स ने सोमवार को एक बयान जारी कर खुलासा किया कि बैटी और क्लब ने एक निराशाजनक सीज़न के बाद आपसी सहमति से अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट की शुरुआत अपने पहले तीन मैचों में दो जीत के साथ की, लेकिन फिर लगातार छह मैच हार गए, और सीज़न का आखिरी गेम बारिश की भेंट चढ़ गया, जिससे वे तालिका में सबसे नीचे आ गए।

बैटी, जो महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स के भी कोच हैं, ने तीन सत्रों तक स्टार्स को कोचिंग दी थी, लेकिन वे छठे, सातवें और आठवें स्थान पर रहे।

स्टार्स के महाप्रबंधक ब्लेयर क्राउच ने कहा, हम जोनाथन और पिछले 3 वर्षों में स्टार्स के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहते हैं। हम जोनाथन और उनके परिवार को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं। हमें लगता है कि यह सूची सफलता प्राप्त करने की स्थिति में है और आखिरकार, हम फिर से डब्ल्यूबीबीएल के फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। डब्ल्यूबीबीएल के इतिहास में स्टार्स ने केवल एक बार फाइनल में जगह बनाई है, जब ट्रेंट वुडहिल ने 2020-21 में उन्हें फाइनल में पहुंचाया था, लेकिन निर्णायक मैच में सिडनी थंडर से हार गए थे। वुडहिल ने उद्घाटन कोच डेविड हेम्प से पदभार संभाला था, जिन्होंने फाइनल खेले बिना पहले पांच सत्रों तक उन्हें कोचिंग दी थी। वुडहिल ने एक सत्र के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में पद संभालने के लिए भूमिका छोड़ दी थी। बैटी को नियुक्त किए जाने से पहले 2021-22 में एक सीज़न के लिए जेरार्ड लॉफ़नन ने पदभार संभाला था। स्टार्स और होबार्ट हरिकेंस केवल दो ऐसी फ़्रैंचाइज़ी हैं जिन्होंने एक भी डब्ल्यूबीबीएल या बिग बैश लीग (बीबीएल) खिताब नहीं जीता है।

हाओ रान ने ग्वांगडोंग-हांगकांग-मकाओ रोड साइकिलिंग रेस जीती

झुहाई

अगले वर्ष होने वाले 15वें चीनी राष्ट्रीय खेलों के लिए एक परीक्षण कार्यक्रम, 2024 ग्वांगडोंग-हांगकांग-मकाओ रोड साइकिलिंग रेस, रविवार को यहां इनर मंगोलिया के हाओ रान के खिताब जीतने के साथ संपन्न हुई। 230 किलोमीटर की यह रोमांचक रेस, जिसमें हांगकांग-झुहाई-मकाओ ब्रिज को पार करना भी शामिल था, झुहाई संग्रहालय के बाहर शुरू हुई और यहीं पर आकर समाप्त हुई।

67 एथलीटों ने मकाओ में प्रवेश करने से पहले झुहाई में 17 किलोमीटर की राइड के साथ शुरुआत की। इसके बाद वे हांगकांग-झुहाई-मकाओ ब्रिज को पार करके हांगकांग पहुंचे, हांगकांग डिजनीलैंड में वापस लौटे और हेंगकिन द्वीप के चारों ओर तीन चक्कर पूरे करते हुए झुहाई वापस लौटे।

अंतिम दो किलोमीटर में, हाओ ने बढ़त हासिल की और 5 घंटे, 15 मिनट और 18 सेकंड के समय के साथ अपनी जीत सुनिश्चित की। शेडोंग के मियाओ चेंगशुओ दूसरे स्थान पर रहे, दोनों राइडर्स ने लगभग समान समय में फिनिश लाइन पार की। तियानजिन के वांग रुइदोंग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। हाओ ने अपनी जीत के बाद कहा, यह पहली बार था जब मैंने समुद्री पुल पर 60 किलोमीटर से अधिक की राइड की। प्रकृति की विशालता का अनुभव करना वास्तव में विस्मयकारी था। पुल पर साइड विंड कठिन थे, लेकिन कई क्षेत्रों को पार करना इसे और भी रोमांचक बनाता है। हांगकांग-झुहाई-मकाओ ब्रिज दुनिया का सबसे लंबा क्रॉस-सी ब्रिज है, जो ग्वांगडोंग प्रांत को हांगकांग और मकाओ से जोड़ता है। हांगकांग और मकाओ दोनों ने ही तीन-तीन एथलीट प्रतियोगिता में भेजे। विन्सेंट वान याउ लाउ हांगकांग के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता रहे, जो आठवें स्थान पर रहे। हांगकांग टीम के मुख्य साइकिलिंग कोच हर्वे डागोर्न ने आयोजकों की खूब प्रशंसा की। फ्रांस और कजाकिस्तान की राष्ट्रीय टीमों का प्रबंधन करने वाले डागोर्न ने कहा, मैंने जो देखा वह एकदम सही था। मैं अगले साल के बारे में बिल्कुल भी चिंतित नहीं हूं। यह निश्चित रूप से एक बेहतरीन संगठन होगा। पुरुषों की रोड साइक्लिंग स्पर्धा एकमात्र प्रतियोगिता है जो अगले वर्ष के राष्ट्रीय खेलों के लिए तीन सह-मेजबानों गुआंग्डोंग, हांगकांग और मकाऊ के बीच होगी, जो 9 से 21 नवंबर, 2025 के बीच आयोजित होंगे।

देश में सोलर कार पर काम...

वाराणसी में आईआईटी, बीएचयू के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने एक सोलर कार तैयार की है। यह सोलर कार ईंधन तो बचाएगी ही, साथ ही इसमें एसी भी चलाया जा सकेगा। हालांकि एसी को कम समय के लिए ही चलाया जा सकेगा। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही यह कार बाजार में उपलब्ध हो सकेगी। अभी कार की इलेक्ट्रिक प्रणाली को सौर ऊर्जा पैनल से जोड़ा गया है। कार की छत पर लगाया गया सौर ऊर्जा पैनल इसकी बैटरियों को ऊर्जा देगा। यह प्रोजेक्ट टाटा मोटर्स के सहयोग से चलाया जा रहा है। सोलर पैनल छत पर लगे होने के कारण कार के अंदर गर्मी नहीं होगी। एक बार एसी चलाकर थोड़ी देर में इसे बंद कर दिया जाय तो कार में काफी देर तक ठंडक बनी रहेगी। एक कार को कम से कम 400 किलोवाट ऊर्जा की जरूरत होगी। फिलहाल सौर ऊर्जा से करीब 180 वाट ऊर्जा ही मिल रही है। ऐसे में बाकी की ऊर्जा के लिए डीजल और बायो डीजल के मिश्रण का इस्तेमाल होगा।

धार्मिक दृष्टि से आहार...

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए आहार का सेवन किया जाता है। धार्मिक दृष्टि से आहार शुद्ध और पवित्र होना आवश्यक है। उपनिषदों में कहा गया है कि 'जैसा अन्न वैसा मन' अर्थात हम जैसा भोजन करते हैं, उसी के अनुसार हमारा मानसिक विकास होता है। शुद्ध एवं उचित आहार भगवान की उपासना का एक अंग है। भोजन करते समय किसी भी अपवित्र खाद्य पदार्थ को ग्रहण करना निषिद्ध है। यही कारण है कि भोजन करने से पूर्व भगवान को भोग लगाने का विधान है जिससे कि हम केवल शुद्ध और उचित आहार ही ग्रहण करें। श्रीमदभगवद् गीता के सत्रहवें अध्याय में भोजन के तीन प्रकारों सात्विक, राजसिक एवं तामसिक का उल्लेख मिलता है। सात्विक आहार शरीर के लिए लाभकारी होते हैं और आयु, गुण, बल, आरोग्य तथा सुख की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार के आहार में गौ घृत, गौ दुग्ध, मक्खन, बादाम, काजू, किशमिश आदि मुख्य हैं। राजसिक भोजन कड़वे, खट्टे, नमकीन, गर्म, तीखे व रुखे होते हैं। इसके सेवन से शरीर में दुख, शोक, रोग आदि उत्पन्न होने लगते हैं। इमली अमचूर, नींबू, छाछ, लाल मिर्च, राई जैसे आहार राजसिक प्रकृति के माने गए हैं। तामसिक भोजन किसी भी दृष्टि से शरीर के लिए लाभकारी नहीं होते। बासी, सड़े-गले, दुर्गंध युक्त, जूठे, अपवित्र और त्याज्य आहार तामस भोजन के अंतर्गत माने जाते हैं। श्रीमद्भागवद गीता के अनुसार सात्विक भोजन करने वाला दैवी सम्पत्ति का स्वामी होता है।

रसोई और वास्तु...

घर के महत्वपूर्ण हिस्सों में से रसोई भी एक है। अगर इस भाग में वास्तुदोष हो तो घर में रहने वाले लोगों की सेहत और कमाई पर वह अपना बुरा प्रभाव डालता है। रसोई व्यवस्थित, शुद्ध और साफ-सुथरी होनी चाहिए। ऐसी रसोई में देवी-देवता अपना स्थाई वास बना लेते हैं जिससे घर में कभी भी धन और सुख-समृद्धि की कमी नहीं रहती। रसोई में मंदिर बनाने से पारिवारिक सदस्यों के स्वभाव में गुस्सा और असहनशीलता आती है। रसोई में स्टोर बनाने से जॉब अथवा व्यापार में तरक्की नहीं हो पाती। जिस घर में रसोई और वॉशरूम एक सीध में हो वहां के सदस्यों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं रहती हैं। बेटियों के जीवन में भी अशांति रहती है। मुख्यद्वार के बिल्कुल सामने किचन का होना अपशगुन का प्रतीक होता है। बिना नहाए रसोई में जाने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। रसोई का इंटीरियर वास्तु के अनुसार सेट न किया हो तो सेहत और कमाई के साधनों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। दक्षिण-पूर्व दिशा में बना किचन अन्न-धन के भंडार भरता है। सिंक को रसोई के उत्तर-पूर्व में बनवाएं। जल और अग्नि में वैर भाव होता है इसलिए सिंक और चूल्हे को एक सीध में नहीं रखना चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को दक्षिण पूर्व अथवा दक्षिण दिशा में रखना चाहिए। गैस स्टोव और इंडक्शन चूल्हे को दक्षिण पूर्व दिशा में रखें, दीवार से कम से कम 3 इंच की दूरी होनी चाहिए और चूल्हे के ऊपर शेल्फ नहीं होनी चाहिए।

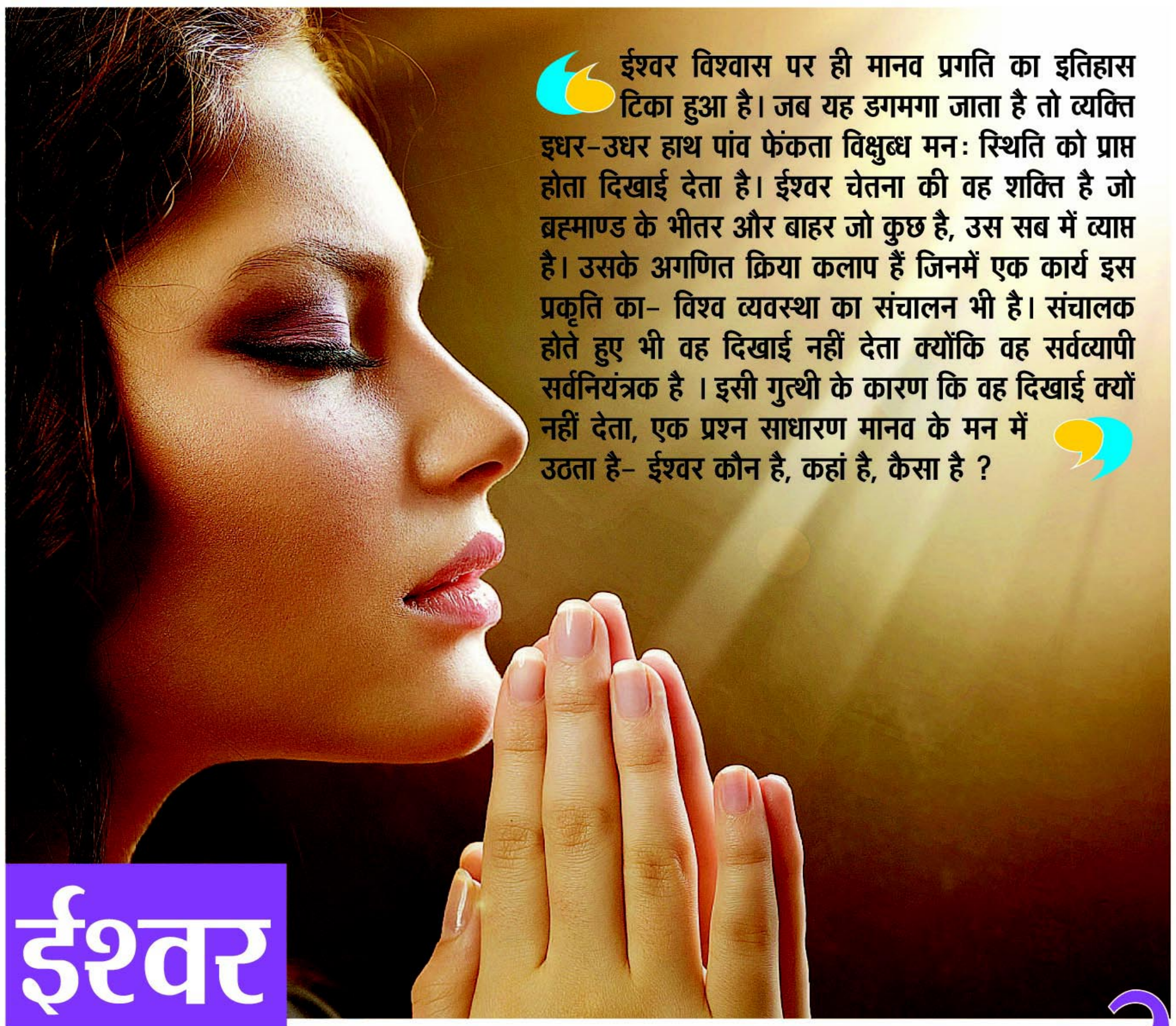

ईश्वर विश्वास पर ही मानव प्रगति का इतिहास टिका हुआ है। जब यह डगमगा जाता है तो व्यक्ति इधर-उधर हाथ पांव फेंकता विक्षुब्ध मनः स्थिति को प्राप्त होता दिखाई देता है। ईश्वर चेतना की वह शक्ति है जो ब्रह्माण्ड के भीतर और बाहर जो कुछ है, उस सब में व्याप्त है। उसके अगणित क्रिया कलाप हैं जिनमें एक कार्य इस प्रकृति का- विश्व व्यवस्था का संचालन भी है। संचालक होते हुए भी वह दिखाई नहीं देता क्योंकि वह सर्वव्यापी सर्वनियंत्रक है । इसी गुत्थी के कारण कि वह दिखाई क्यों नहीं देता, एक प्रश्न साधारण मानव के मन में उठता है- ईश्वर कौन है, कहां है, कैसा है ?

ईश्वर कौन है, कहां है, कैसा है?

मात्र सृष्टि संचालन ही ईश्वर का काम नहीं है चूंकि हमारा संबंध उसके साथ इसी सीमा तक है, अपनी मान्यता यही है कि वह इसी क्रिया-प्रक्रिया में निरत रहता होगा, अतः उसे दिखाई भी देना चाहिए। मनुष्य की यह आकांक्षा एक बाल कौतुक ही कही जानी चाहिए क्योंकि अचिन्त्य, अगोचर, अगम्य परमात्मा- पर ब्रह्म- ब्राह्मी चेतना के रूप में अपने ऐश्वर्यशाली रूप में सारे ब्रह्माण्ड में, इको सिस्टम के कण-कण में व्याप्त है। ईश्वर कैसा है व कौन है, यह जानने के लिए हमें उसे सबसे पहले आत्मविश्वास- सुदृढ़ आत्म-बल के रूप में अपने भीतर ही खोजना होगा। ईश्वर सद्गुणों का- सत्प्रवृत्तियों का- श्रेष्ठताओं का समुच्चय है जो अपने अंदर जिस परिमाण में जितना इन सद्गुणों को उतारता चला जाता है, वह उतना ही ईश्वरत्व से अभिपूरित होता चला जाता है। ईश्वर रसो वैसैः के रूप में भी विद्यमान है तथा वेदान्त के तत्त्वमसि, अयमात्मा ब्रह्म के रूप में भी। व्यक्तित्व के स्तर को जीवो ब्रह्मैव नापरः की उक्ति के अनुसार परिष्कात कर परमहंस- स्थित प्रज्ञ की स्थिति प्राप्त कर आत्म साक्षात्कार कर लेना ही ईश्वर दर्शन है-आत्म साक्षात्कार है- जीवन्मुक्त स्थिति है।

भ्रांतियां भी कम नहीं

ईश्वर के संबंध में भ्रांतियां भी कम नहीं हैं। बालबुद्धि के लोग कशाय कल्मषों को धोकर साधना के राज- मार्ग पर चलने को एक झंझट मानकर सस्ती पगडंडी का मार्ग खोजते हैं। उन्हें वही शार्टकट पसन्द आता है। वे सोचते हैं कि दृष्टिकोण को घटिया बनाए रखकर भी थोड़ा बहुत पूजा उपचार करके ईश्वर को प्रसन्न भी किया जा सकता है व ईश्वर विश्वास का दिखावा भी। जबकि ऐसा नहीं है। उपासना, साधना, आराधना की त्रिविध राह पर चल कर ही ईश्वर दर्शन संभव है। ईश्वर कौन है, कैसा है- यह जान लेने पर, वह भी रोजमर्रा के उदाहरणों से विज्ञान सम्मत शैली द्वारा समझ लेने पर किसी को भी कोई संशय नहीं रह जाता कि आस्तिकता का तत्त्व दर्शन ही सही है। यह इसलिए भी जरूरी है कि ईश्वर विश्वास यदि धरती पर नहीं होगा तो समाज में अनीति मूलक मान्यताओं, वर्जनाओं को लांघकर किए गए दुष्कर्म का ही बाहुल्य चारों ओर होगा, कर्मफल से फिर कोई डरेगा नहीं और चारों ओर नरपशु, नरकीटकों का या जिसकी लाठी उसकी भैंस का शासन नजर आएगा।

कर्मों के प्रति सजगता

अपने कर्मों के प्रति व्यक्ति सजग रहे, इसीलिए ईश्वर विश्वास जरूरी है। कर्मों के फल को उसी को अर्पण कर उसी के निमित्त मनुष्य कार्य करता रहे, यही ईश्वर की इच्छा है। ईश्वर शब्द बड़ा अभव्यंजनात्मक है। सारी सृष्टि में जिसका ऐश्वर्य छाया पड़ा हो, चारों ओर जिसका सौंदर्य दिखाई देता हो- सृष्टि के हर कण में उसकी झांकी देखी जा सकती हो, वह कितना ऐश्वर्यशाली होगा इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसीलिए उसे अचिन्त्य बताया गया है। इस सृष्टि में यदि हर वस्तु का कोई निमित्त कारण है- कर्ता है, तो वह ईश्वर है। वह बाजीगर की तरह अपनी सारी कठपुतलियों को नचाया करता है व ऊपर से बैठकर तमाशा देखता रहता है। यही पर ब्रह्म- ब्राह्मी चेतना जिसे हर श्वास में हर कार्य में, हर पल अनुभव किया जा सकता है- सही अर्थों में ईश्वर है। प्राणों के समुच्चय को जिस प्रकार महाप्राण कहते हैं, ऐसे ही आत्माओं के समुच्चय को- सर्वोच्च सर्वोत्कृष्टता को- हम सब के परमपिता को परमात्मा कहते हैं।

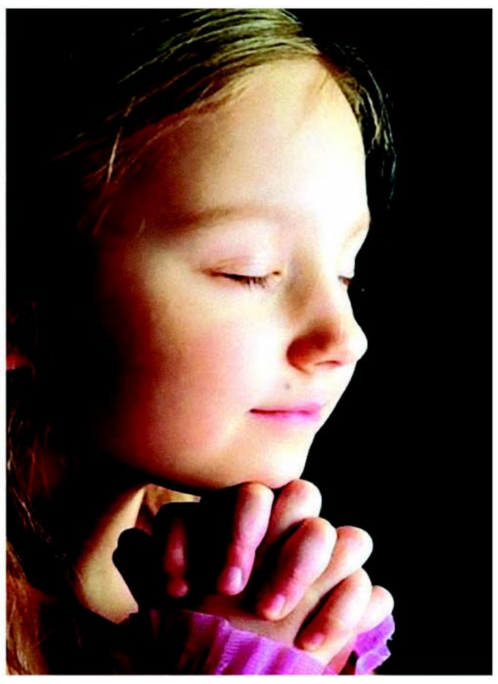

नास्तिकवाद का कथन

नास्तिकवाद का कथन यह है कि इस संसार में ईश्वर नाम की कोई वस्तु नहीं क्योंकि उसका अस्तित्व प्रत्यक्ष उपकरणों से सिद्ध नहीं होता। अनीश्वरवादियों की मान्यता है कि जो कुछ प्रत्यक्ष है, जो कुछ विज्ञान- सम्मत है केवल वही सत्य है। चूंकि वैज्ञानिक आधार पर ईश्वर की सत्ता का प्रमाण नहीं मिलता इसलिए उसे क्यों मानें? इस प्रतिपादन पर विचार करते हुए हमें यह सोचना होगा कि अब तक जितना वैज्ञानिक विकास हुआ है क्या वह पूर्ण है? क्या उसने सृष्टि के समस्त रहस्यों का पता लगा लिया है? यदि विज्ञान को पूर्णता प्राप्त हो गई होती तो शोध कार्यों में दिन- रात माथापच्ची करने की वैज्ञानिकों को क्या आवश्यकता रह गई होती? बात यह है कि विज्ञान का अभी अत्यल्प विकास हुआ है। उसे अभी बहुत कुछ जानना बाकी है। कुछ समय पहले तक भाप, बिजली, पेट्रोल, एटम, ईथर आदि की शक्तियों का कौन जानता था, पर जैसे- जैसे विज्ञान में प्रौढ़ता आती गई यह शक्तियां खोज निकाली गई। यही जड़ जगत की खोज है। चेतन जगत सम्बन्धी खोज तो अभी प्रारंभिक अवस्था में ही है।

हमारे साधन ही स्वल्प

बाह्य मन और अंतर्मन की गतिविधियों को शोध से ही अभी आगे बढ़ सकना संभव नहीं है। यदि हम अधीर न हों तो आगे चलकर जब चेतन जगत के मूल तत्त्वों पर विचार कर सकने की क्षमता मिलेगी तो आत्मा और परमात्मा का अस्तित्व भी प्रामाणिक होगा। ईश्वर अप्रामाणिक नहीं है। हमारे साधन ही स्वल्प हैं जिनके आधार पर अभी उस तत्व का प्रत्यक्षीकरण संभव नहीं हो पा रहा है। जब साम्यवादी विचारधारा का जन्म हुआ था तब वैज्ञानिक विकास बहुत स्वल्प मात्रा में हो पाया था। उन दिनों सृष्टि के अंतराल में काम करने वाली चेतन सत्ता का प्रमाण पा सकना अविकसित विज्ञान के लिए कठिन था, पर अब तो बादल बहुत कुछ साफ हो गए हैं। वैज्ञानिक प्रगति के साथ- साथ मनीषियों के लिए चेतन- सत्ता का प्रतिपादन कुछ कठिन नहीं रहा था। आधुनिक विज्ञानवेत्ता ऐसी संभावना प्रकट करने लगे हैं कि निकट भविष्य में ईश्वर का अस्तित्व वैज्ञानिक आधार पर भी प्रामाणिक हो सकेगा। जो आधार विज्ञान को अभी प्राप्त हो सके हैं वे अपनी अपूर्णता के कारण आज ईश्वर का प्रतिपादन कर सकने में समर्थ भले ही न हों पर उनकी संभावना से इंकार कर सकना उनके लिए भी शक्य नहीं है।

क्या कहते हैं वैज्ञानिक

सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक रिचार्डन से लिखा है-विश्व की अगणित समस्याओं तथा मानव की मानसिक प्रतिक्रियाएं वैज्ञानिक साधनों, गणित तथा यन्त्रों के आधार पर हल नहीं होतीं। भौतिक विज्ञान से बाहर भी एक अत्यन्त विशाल दुरूह अज्ञात क्षेत्र रह जाता है जिसे खोजने के लिए कोई दूसरा साधन प्रयुक्त करना पड़ेगा। भले उसे अध्यात्म कहा जाय या कुछ और। वैज्ञानिक मैकब्राइट का कथन है- इस विश्व के परोक्ष में किसी ऐसी सत्ता के होने की पूरी संभावना है जो ज्ञान और इच्छायुक्त हो। डॉ. मर्डेल ने लिखा है- विभिन्न धर्म, सम्प्रदायों में ईश्वर का जैसा चित्रण किया गया है वैसा तो विज्ञान नहीं मानता पर ऐसी संभावना अवश्य है कि अणु जगत् के पीछे कोई चिंतन शक्ति काम कर रही है । इस संभावना के सत्य सिद्ध होने से ईश्वर का अस्तित्व भी प्रामाणित हो सकता है। विख्यात विज्ञानी इंगोल्ड का कथन है कि जो चेतना इस सृष्टि में काम कर रही है उसका वास्तविक स्वरूप समझने में अभी हम असमर्थ हैं। इस संबंध में हमारी वर्तमान मान्यताएं अधूरी अप्रामाणिक और असंतोषजनक है। अचेतन अणुओं के अमुक प्रकार मिश्रण से चेतन प्राणियों के काम करने वाली चेतना उत्पन्न हो जाती है यह मान्यता संदेहास्पद ही रहेगी।

स्वीकार रहा है विज्ञान

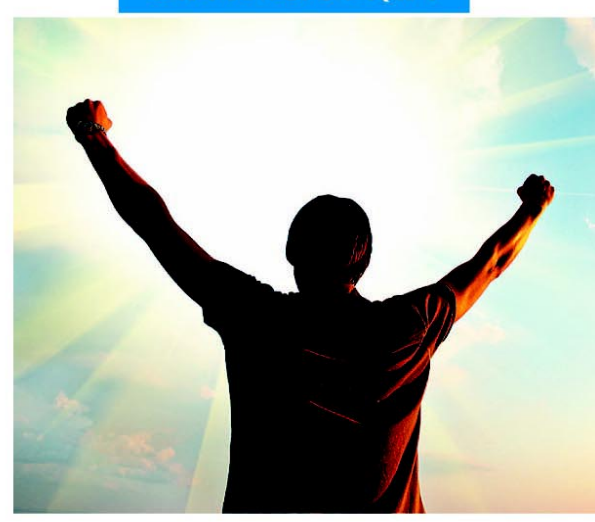

विज्ञान अब धीरे- धीरे ईश्वर की सत्ता स्वीकार करने की स्थिति में पहुंचता जा रहा है। जान अटुअर्ट मिल का कथन सचाई के बहुत निकट है कि विश्व की रचना में प्रयुक्त हुई नियमबद्धता और बुद्धिमत्ता को देखते हुए ईश्वर की सत्ता स्वीकार की जा सकती है। कान्ट, मिल, हेल्स, होल्टज, लांग, हक्सले, कम्टे आदि वैज्ञानिकों ने ईश्वर की असिद्धि के बारे में जो कुछ लिखा है वह बहुत पुराना हो गया, उनकी ये युक्तियां जिनके आधार पर ईश्वर का खंडन किया जाया करता था अब असामयिक होती जाती हैं। डॉ. पिलन्ट ने अपनी पुस्तक थीइज्म में इन युक्तियों का वैज्ञानिक दृष्टिकोण में ही खण्डन करके रख दिया है। भौतिक विज्ञान का विकास आज आशाजनक मात्रा में हो चुका है। यदि विज्ञान की यह मान्यता सत्य होती कि अमुक प्रकार के अणुओं के अमुक मात्रा में मिलने से चेतना उत्पन्न होती है। तो उसे प्रयोगशालाओं में प्रामाणित किया गया होता। कोई कृत्रिम चेतन प्राणी अवश्य पैदा कर ली गई होती अथवा मृत शरीरों को जीवित कर लिया गया होता। यदि वस्तुतः अणुओं के सम्मिश्रण पर ही चेतना का आधार रहा होता तो मृत्यु पर नियंत्रण करना मनुष्य के वश से बाहर की बात न होती। शरीरों में अमुक प्रकार के अणुओं को प्रवेश कर देना तो विज्ञान के लिए कोई बड़ी बात नहीं है। यदि नया शरीर न भी बन सके तो जीवित शरीरों को मरने से बचा सकना तो अणु विशेषज्ञों के लिए सरल होना ही चाहिए था।

मान्यता बदलनी पड़ती है

विज्ञान का क्रमिक विकास हो रहा है। उसे अपनी मान्यताओं को समय-समय पर बदलना पड़ता है। कुछ दिन पहले तक वैज्ञानिक पृथ्वी की आयु केवल सात लाख वर्ष मानते थे और भारतीय ज्योतिर्विदों की उस उक्ति का उपहास उड़ाते थे जिसके अनुसार पृथ्वी की आयु एक अरब 67 करोड़ वर्ष मानी गई है। अब रेडियम धातु तथा यूरेनियम नामक पदार्थ के आधार पर जो शोध हुए हैं उससे पृथ्वी की आयु लगभग दो अरब वर्ष सिद्ध हो रही है और वैज्ञानिकों को अपनी पूर्व मान्यताओं को बदलना पड़ रहा है।

रमजान और खजूर का नाता...

रमजान का महीना हो और रोजा इफ्तार में खजूर न हो ऐसा नहीं हो सकता। रमजान में खजूर का बड़ा महत्व होता है। इफ्तार में खजूर खाना सुन्नत माना जाता है। मुस्लिम धर्मावलंबी इन दिनों दिनभर रोजा रखने के बाद शाम को इफ्तार के समय फल और हल्के पदार्थों का सेवन करते है लेकिन इस समय खजूर से रोजा इफ्तार करना बड़ा पवित्र माना जाता है। मदीने की खजूर अजूआ और अंबर रोजेदारों के बीच बड़ी पसंदीदा है। अजूआ खजूर के बारे में कहा जाता है कि 1400 साल पहले इसका पौधा पैगंबर साहब ने अपने हाथों से लगाया था। उसी की नस्ल आज तक मदीना में कायम है। यह खजूर अब दुनियाभर में लोगों की पसंद बन चुका है। अंबर खजूर को भी मदीना की खास

खजूर में माना जाता है। पवित्र कुरआन में कई बार उन उपकारों और मेहरबानियों की चर्चा की गई है जो फलों की सूरत में मनुष्य को प्रदान किए गए हैं। उन फलों में यूं तो अंगूर, अंजीर, अनार और जैतून का वर्णन बार-बार आया है, लेकिन कुरआन में जिस फल और दरख्त का उदाहरण सबसे ज्यादा दिया गया है वह खजूर है। इसका वर्णन नख़्ल और नखील के नाम से बीस बार कुरआन-ए-करीम में किया गया है। खजूर की किस्मों और उसकी गुठलियों वगैरह का वर्णन भी कुरआन पाक में अलग-अलग नामों से किया गया है।

अरब में खजूर

अरबी में यूं तो इसको खजूर के दरख्त को नख्ल कहते हैं और इसके फल को तमर कहा जाता है, लेकिन अरब और अफ्रीकी देशों में तमर के अलावा भी खजूर दूसरे अधिक नामों से मशहूर है। कुछ अरब मुल्कों में हिंदी शब्द खजूर और फारसी शब्द खुरमा भी काफी मशहूर हो गया है। अरब के बाजारों में खजूर अपनी किस्मों के नाम से भी बिकता है-जैसे अजवह, जाहदी, हलावी, हयाती, मजाफाती और फातमी इत्यादि।

सभ्यता को संवारा खजूर ने

वैज्ञानिकों के अनुसार खजूर की खेती आठ हजार साल पूर्व दक्खिन इराक में शुरू की गई थी। उस समय दुनिया में कहीं भी फलदार पौधों की खेती का विचार तक नहीं था, इसीलिए समझा जाता है कि सभ्यता के बनाने और संवारने में जितना दखल खजूर का है, किसी और पौधे का नहीं है। अरबों में एक पुरानी कहावत थी कि साल में जितने दिन होते हैं, उतने ही खजूर के प्रयोग और फायदे हैं और वास्तविकता भी कुछ ऐसी ही लगती है। एक तरफ उसकी लकड़ी इमारत और फर्नीचर बनाने के काम आती है तो दूसरी ओर उसकी पत्तियों से बेशुमार चीजें तैयार की जाती हैं। खजूर की गुठलियां जानवरों के लिए उचित चारा हैं और उसके फल मनुष्य के लिए अति श्रेष्ठ आहार हैं। उसकी आहार में उपयोगिता का अनुमान उसके रसायनिक भाग से किया जा सकता है, क्योंकि उसमें लगभग साठ प्रतिशत इनवर्ट शुगर और सुक्रोज के अलावा स्टार्च, प्रोटीन सेलुलोज और फैट विभिन्न मात्रा में उपलब्ध है। इसके अलावा इसमें विटामिन-बी और विटामिन-ली भी पाए जाते हैं। इसके खनिज पदार्थ भाग भी महत्वपूर्ण हैं। यानी सोडियम, कैल्शियम, सल्फर, क्लोरीन, फास्फोरस और आयरन। आहार से भरपूर इन खजूर के फलों से शर्बत, सिरका, मिठाइयां, शकर और एक प्रकार का शीरा तैयार किया जाता है जो शहद के समान होता है।

यह है सलाह

बुखारी शरीफ की एक हदीस के अनुसार हजरत मोहम्मद साहब ने रोजाना सुबह को सात खजूरें खाने की सलाह दी है। उन्होंने फरमाया है-सुबह नहार मुंह खजूरें (तमर) खाया करो कि ऐसा करने से पेट के कीड़े मर जाते हैं। बरनी खजूर एक उत्तम दवा है। खजूर खाने से कुलंज यानी आंतों की पीड़ा नहीं होती। नहार मुंह खाने से यह जहरों का तिरयाक यानी काट है। उजवा खजूर जन्नत से है। रात का खाना हरगिज न छोड़ों, चाहे एक मुट्ठी खजूर ही खा लो। रात का खाना छोड़ने से बुढ़ापा तारी होता है। जिस घर में खजूर हो उस घर वाले भूखे नहीं होते। जिसने सुबह मदीने की सात खजूरें (उजवा) खा लिया, वह उस दिन भर जहर और जादू से सुरक्षित रहेगा।

अनेक गुणों से भरपूर है बैंगन

बैंगन एक बहुत ही पौष्टिक सब्जी है लेकिन कुछ लोग इसे बिना गुण वाली सब्जी मानते हैं। अगर आप भी उन्हीं लोगों में से एक है और बैंगन की सब्जी नहीं खाते हैं तो आज हम आपको अवगत करवाते हैं बैंगन के ऐसे गुणों से जिन्हें जानने के बाद आपकी गलतफहमी दूर हो जाएगी।

दिल के लिए: धमनियों की दीवारों में कोलेस्ट्रॉल का लेवल कम हो जाता है। यहां तक की खून की नसों में भी खून ठीक प्रकार से बहने लगता है।

कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करता है: बैंगन के सेवन से रक्त में बैंगन के सेवन से रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर गिरता है। बैंगन में पोटेशियम व मैंगनीशियम की अधिकता। बैंगन की पत्तियों के रस का सेवन करने से भी रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम किया जा सकता है।

संक्रमण से मुक्ती: बैंगन में विटामिन सी बहुत अच्छी मात्रा में है जो प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाता है और शरीर को संक्रमण से मुक्त रखने में मदद करता है।

वेट लॉस: यह आहार चर्बी को जलाता है और कैलोरी कम करता है। इसमें फाइबर होता है जिसको खाने से पेट भर जाता है और जल्द भूख नहीं लगती, तो ऐसे में वजन भी कम होता है।

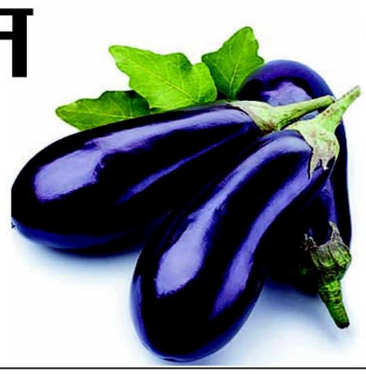

धूमपान छोड़ने में मददगार: प्राकृतिक तरीके से धूम्रपान छोड़ना चाहते हैं तो डाइट में बैंगन का सेवन अधिक करें। निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी के तहत इसमें मौजूद निकोटिन की सीमित मात्रा धूम्रापान छोड़ने वाले लोगों के लिए मददगार हो सकती है।

दांत का दर्द: बैंगन का रस दांत के दर्द में लाभदायक प्रभाव दिखलाता है। अस्थमा के उपचार के लिए बैंगन की जड़ें प्रयुक्त की जाती हैं।

रक्त की कमी: आदिवासी चुल्हे पर भुने हुए बैंगन में थोडी सी शक्कर डालकर सुबह खाली पेट खाने की सलाह देते हैं, उनका मानना है कि ऐसा करने से शरीर में रक्त की कमी दूर हो जाती है।

पेट की बीमारी में: बैंगन का सूप तैयार किया जाए जिसमें हींग और लहसून भी स्वाद के अनुसार मिलाया जाए और सेवन किया जाए तो यह पेट फूलना, गैस, बदहज़मी और अपचन जैसी समस्याओं में काफी राहत देता है।

कैंसर से बचाए: इसमें एक तत्व पाया जाता है जो कि शरीर में कैंसर की सेल से लड़ने में सहायक होता है। अगर आप हर रोज बैंगन खाएंगे तो आपका शरीर कैंसर से लड़ने के लिए मजबूत हो जाएगा। यह खासकर पेट के कैंसर से लड़ने में सहायक है।

अच्छी त्वचा: बैंगन त्वचा को हाइड्रेट करता है और अंदर से नमी प्रदान करता है। तो अगर आपके बाल और त्वचा रूखे-सूखे हैं तो आप बैंगन खाना शुरु कर दीजिए।

दिमाग के लिए: इस पेड़ में जो न्यूट्रियन्ट्स पाए जाते हैं वह हमारे दिमाग के लिए बहुत ही अच्छे होते हैं। यह किसी भी प्रकार के नुक्सान से हमारी कोशिका की झिल्ली को बचाते हैं। यह दिमाग को फ्री रैडिक्ल से बचाता है और ब्रेन का विकास करता है।

मधुमेह से लड़े: हाई फाइबर और कम कार्बोहाइड्रेट के तत्व होने के कारण यह मधुमेह रोगियों के लिये बहुत अच्छा आहार है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**